www.tamsasanket.com

वर्षः 29 || अंक 170 || अम्बेडकरनगर

शनिवार

12 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:50
सूर्यास्तः 06:16
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि... >> पेज 04 | विनोद साहनी हत्याकांड... >> पेज 06 | रणवीर सिंह ने चेहरा छिपाकर...

ब्रिक्स के मंच से पुतिन ने जी7 का उड़ाया मजाक, पीएम मोदी ने भी बिजनेस फोरम को संबोधित किया

‘हम 40% हैं, वो हमसे कम’

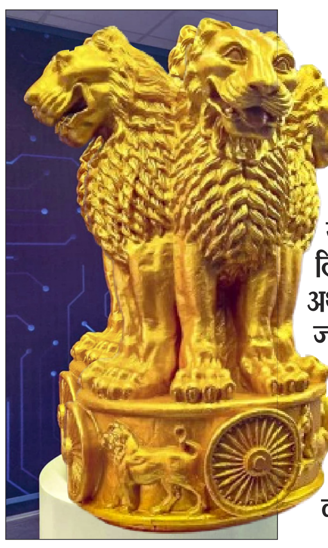

पुतिन ने कहा कि हमारे पास स्ट्रक्चर है ऐसी संस्थाएं हैं, जहां पर अच्छी तरह से पढ़ाया जाता है. यह मानवता के लिए जरूरी है और अर्थव्यवस्थाओं के लिए जरूरी है लेकिन बदलाव को हम रोक नहीं सकते. हमारे यहां बड़े स्तर पर शहरीकरण हो रहा है, बड़ी-बड़ी कंपनियां तैयार हो रही हैं

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत ब्रिक्स लीडर्स ने शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम में ग्लोबल ट्रेड पर बात की।

इसमें सबसे अहम बयान पुतिन का रहा। उन्होंने अमेरिका और यूरोप पर तंज कसते हुए कहा,पश्चिम अब कमजोर हो रहा है, पता नहीं ये देश खुद को G7 क्यों कहते हैं। दुनिया की 40% से ज्यादा GDP BRICS देशों से आई, G7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29% रही। इसके बाद PM मोदी ने भी बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये दुनिया की 40% GDP में हिस्सा रखते हैं। भारत व्यापार बढ़ाना चाहता है और इसके लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी हैं। रूसी

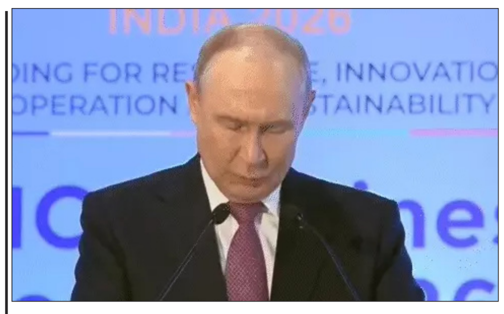

‘हमारे देश से बहुत बड़े स्तर पर हो रही प्रतिस्पर्धा’

राष्ट्रपति पुतिन ने आगे कहा किपरमाणु ऊर्जा में रूस की कंपनी दुनिया में सबसे बड़ी है. काफी बार यह कहा जाता है कि जब भी कोई प्रतिस्पर्धा होती है तो वह बहुत अहम होती है, लेकिन कई देश प्रयास कर रहे हैं कि उनकी अपनी जो पुराने समय में अपने आप को बड़ी कंपनियां मानते थे, वह अपनी अहमियत को वापस लाना चाहते हैं. इन सभी के पीछे बड़ा प्रयास है, बहुत ज्यादा हमने इस पर मेहनत की है और हमने दिन रात करके मेहनत की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा हमारे देश से बहुत बड़े स्तर पर हो रही है।

राष्ट्रपति पुतिन के मुताबिक, PPP के आधार पर ब्रिक्स की हिस्सेदारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में करीब 40% है, जबकि G7 की 18%। यानी आर्थिक आकार में ब्रिक्स आगे है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी पजशकियान की मीटिंग खत्म

प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की मीटिंग खत्म हो गई है। यह बैठक BRICS समिट 2026 के दौरान हुई। अब पीएम मोदी की अगली बैठक संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस के साथ होगी।

पुतिन ने जी7 देशों पर कसा तंज

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, ज्यादातर वृद्धि ब्रिक्स देश से हुई है. हमारे बाजार काफी बड़े हैं. मुझे नहीं पता वह अपने आप को G7 कहते हैं, जबकि हमारा ऐसा 40% है और उनका हमसे कम. 40% व्यापार ब्रिक्स देश में हो रहा है. दुनिया हमेशा बदलती रहती है और यही पिछले 5 सालों की सच्चाई है।

ब्रिक्स में मेहमानों को गिफ्ट में गुडी बैग दिया

BRICS समिट में आए प्रतिनिधियों और मेहमानों को खास गुडी बैग गिफ्ट किया जा रहा है। इसमें बिहार का सत्तू और मखाना, केले के चिप्स, ओडिशा की कॉफी और गुजराती दुपट्टा है। इसका मकसद मेहमानों को भारतीय संस्कृति से परिचत कराना है।

पुतिन ने मोदी को रूस आने का न्योता दिया

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन पहुंचे। बैठक में भारत-रूस रिश्तों के साथ मिडिल ईस्ट और ब्लैक सी के हालात पर चर्चा हुई। पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस समिट के लिए रूस आने का न्योता दिया, जिसे PM ने स्वीकार कर लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की मीटिंग शुरू हो गई है। एएनआई के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच भारत-यूएन संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

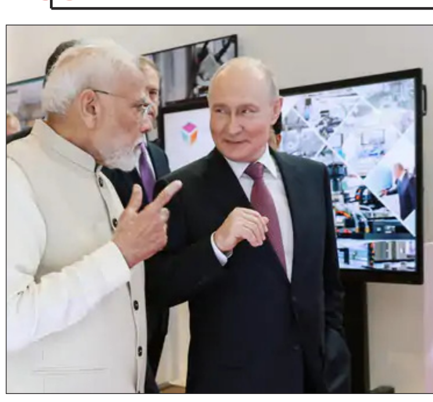

PM मोदी और राष्ट्रपति पुतिन इनरोप्रोम इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन में पहुंचे। इनरोप्रोम रूस की बड़ी इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग प्रदर्शनी है।

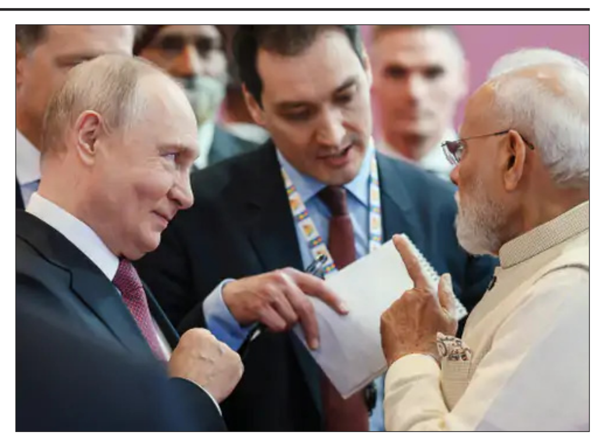

प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन प्रदर्शनी में शामिल हुए। यह प्रदर्शनी भारत मंडपम में पहली बार आयोजित की गई।

सेना के चोरी हुए हथियार जब्त एक कर्मचारी अरेस्ट

2 रूम के ताले तोड़ चुराए थे हाईटेक वेपंस

जांच

कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे रजिस्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, कैंटोनमेंट में काम करने वाले एक शख्स की मदद यह चोरी की गई थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, जांच में सामने आई अन्य जानकारियां अभी शेयर नहीं की गई हैं।

चोरी का मामला 31 अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोलाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग 40 मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोड़कर बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

जांच टीम अब हथियारों को ले जाने, उन्हें छिपाने, हथियारों के खरीददार समेत इस पूरे नेटवर्क में शामिल लोगों की तलाश में जुटी है। सेना के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले में जल्द ही अधिकारी मीडिया को विस्तृत रिपोर्ट देंगे।

ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाना हुआ आसान

लखनऊ । ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के लिए ईडब्ल्यूएस पोर्टल, भूमि अभिलेखों को सरल और सटीक बनाने के लिए सरलीकृत खतौनी तथा राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत भूमि विभाजन के मामलों के ऑनलाइन निस्तारण के लिए नया पोर्टल शुरू किया गया है। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने शुक्रवार को आंबेडकर सभागार में इन सुविधाओं का शुभारंभ किया।

ईडब्ल्यूएस पोर्टल के जरिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिक अब प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन लेखपाल और तहसीलदार स्तर पर भी ऑनलाइन भेजा और निस्तारित किया जा सकेगा। आवेदन किस स्तर पर है और उसकी स्थिति क्या है, इसकी जानकारी डिजिटल माध्यम से देखी जा सकेगी।

महाराष्ट्र में ट्रक-बोलेरो भिड़े तीन बच्चों समेत 8 की मौत

रायपुर से नागपुर जाते वक्त हादसा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ।

सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी।

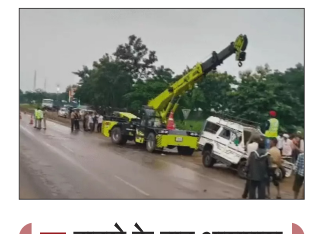

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

पांढुर्णा के युवक ने कुल्हाड़ी से झंडा काटा

पांढुर्णा। मध्यप्रदेश के पांढुर्णा में शुक्रवार को गोटमार मेले में झंडे पर कब्जे के लिए पांढुर्णा और सावरगांव पक्ष के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। मेले में कुल 1326 लोग घायल हुए। इनमें 8 की हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया।

घटना | सतर्क

अलायंस एयर फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली । अलायंस एयर के एक विमान का इंजन खराब होने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग की गई। विमान में 40 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर सवार थे। प्लेन प्रयागराज से दिल्ली आ रहा था। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान ने आपात-कालीन लैंडिंग इसलिए की, क्योंकि उसका एक इंजन काम नहीं कर रहा था। विमान दोपहर करीब 2.15 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा। एलायंस एयर के प्रवक्ता ने बताया कि बिलासपुर-प्रयागराज-दिल्ली रूट पर चलने वाला यह ट्विन-इंजन टर्बोप्रॉप विमान ATR 72-600 था।

थार-फॉर्च्यूनर लेकर सड़क पर ‘भाईगिरी’ नहीं चलेगी

नई दिल्ली। दमन में खुले मैदान में सैकड़ों थार और फॉर्च्यूनर कतार में खड़ी थीं। इनके मालिक और ड्राइवर हाथों में रोड सेफ्टी के संदेश वाले पोस्टर लिए मैदान का चक्कर लगा रहे थे। उनपर लिखा था- ‘थार और फॉर्च्यूनर्स गुंडागर्दी दिखाने की गाड़ी नहीं', 'भाईगिरी कूल गिरी नहीं।'

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में घुसपैठिया गिरफ्तार

हिरानगर सेक्टर में फेंसिंग के पास पकड़ा गया

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उसे हिरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके में सीमा पर लगी फेंसिंग के पास पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र करीब 65 साल है। सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीमा पार करने की परिस्थितियों और इलाके में उसकी मौजूदगी के मकसद की जानकारी जुटाई जा रही है। ये पिछले 3 में LOC पर घुसपैठ की 5वीं घटना है।

मैदानी इलाका होने की वजह से हिरानगर आतंकियों और तस्करों के लिए घुसपैठ का रूट रहा है। ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य सीमा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कठुआ का हिरानगर सेक्टर घुसपैठ के लिए संवेदनशील

केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटा

यूपी के मिर्जापुर में पुल, फर्रुखाबाद में हाईवे डूबा, एमपी के दमोह में बाढ़ के हालात

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फटा। इसके बाद लैंडस्लाइड हुई। बड़े-बड़े बोल्डर गिरने से केदारनाथ पैदल मार्ग बंद हो गया है।

वहीं, यूपी में लगातार हो रही बारिश से गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इससे 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मिर्जापुर में पुल तो फर्रुखाबाद में हाईवे डूब गया है।

मध्य प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। गुरुवार रात भोपाल, नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश हुई। दमोह में बाढ़ के हालात हैं, कई कॉलोनियों में पानी भर गया है।

भुवनेश्वर में शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण दक्षिणी और पश्चिमी ओडिशा में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के छह जिलों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। 23 अन्य जगहों पर भी भारी बारिश हुई। कालाहांडी जिले के गोलामुंडा में सबसे ज्यादा 16 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मदनपुर रामपुर, भवानीपटना और जूनागढ़ में 14-14 सेंटीमीटर बारिश हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी के उन्नाव में गंगा नदी उफान पर है। 10 से ज्यादा गांवों के लोग जुगाड़ की नावें बनाकर आवाजाही कर रहे हैं।

बिहार में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति है, जिससे 2,360 गांवों में करीब 44 लाख लोग प्रभावित हैं। 27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

बिहार के 15 जिलों में बाढ़

बिहार में शुक्रवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। 15 जिलों में 47.33 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा और उसकी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इससे कटाव और तटबंध टूटने की घटनाएं हो रही हैं।

केदारनाथ में बादल फटा। पैदल मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई। इसके चलते मार्ग बंद हो गया।

आरोपः अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पाण्डेय से की मुलाकात, सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर कानून-व्यवस्था

‘प्रदेश में पीडीए की कोई सुनवाई नहीं’

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय से लखनऊ की वृंदावन कॉलोनी स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पाण्डेय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि माता प्रसाद पाण्डेय अब स्वस्थ हैं और वह उनका हाल-चाल जानने के लिए आए हैं।

मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और उससे जुड़े लोग बड़े पैमाने पर अन्याय कर रहे हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में लोगों की जान जा रही है। उन्होंने गोंडा में व्यापारी विनोद कुमार निषाद (साहनी) के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रतापगढ़, कौशांबी समेत कई जिलों में भी घटनाएं हुई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

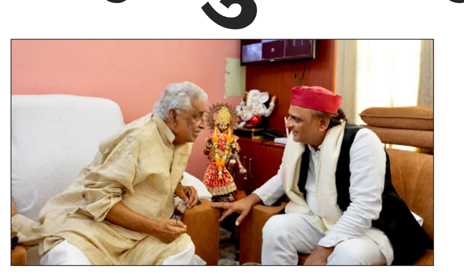

भाजपा सरकार में पीडीए समाज की कोई सुनवाई नहीं हो रही

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर किसी व्यक्ति की बात कहने या लिखने के कारण हत्या हो जाए तो संविधान और कानून कहां है। उन्होंने गोंडा के विनोद कुमार निषाद की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि मामले में उनके परिवार की मांगों को सरकार को स्वीकार करना चाहिए और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

सपा अध्यक्ष ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी बदहाल हैं। अस्पतालों में गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है। प्रदेश में कई अस्पताल खुद ही बीमार हैं और गरीब इलाज के लिए भटकने को मजबूर है।

शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश : राहुल गांधी

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' से 8 दिन पहले सुझाव मांगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा।

राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं।

इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है।

>> (शेष पेज 06 पर)

इंदौर में कार्यक्रम की अनुमति अब तक नहीं मिली

6.41 करोड़ जुर्माना वसूलने पर रोक, जुमे पर ड्रोन से निगरानी, 1000 पीएसी-आरआरएफ जवान तैनात

मस्जिद गिराने पर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराने के मामले में शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी को अंतरिम राहत देते हुए 6.41 करोड़ रुपए के जुर्माना वसूलने पर रोक लगा दी। साथ ही, कोर्ट ने अगले तीन हफ्तों में सरकार को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया।

याचिका पर सुनवाई जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई। अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। 9 सितंबर को मस्जिद कमेटी के मुतवल्ली मोहम्मद तनवीर अहमद की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया था कि प्रशासन ने पर्याप्त कानूनी नोटिस और वैध ध्वस्तीकरण आदेश के बिना 5 सितंबर को कार्रवाई की। इधर, ध्वस्तीकरण के 6 दिन बाद जुमे की नमाज को देखते हुए सहारनपुर में बड़ी संख्या में फोर्स तैनात की गई। संवेदनशील स्थिति को देखते हुए जिले में हाईअलर्ट रहा। PAC और RRF के करीब 1000 जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। भीड़भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख मस्जिदों के आसपास ड्रोन से निगरानी की गई।

कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद 3300 स्क्वायर फीट में बनी हुई थी। दो मंजिला मस्जिद में 2 बड़े हॉल समेत 5 कमरे थे। ग्राउंड फ्लोर पर एक बड़ा हॉल और दो कमरे थे। पहली मंजिल पर हॉल के साथ एक बड़ा कमरा था। कमरे में डाकघर चलता था।

> नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग मस्जिदों में पहुंचे। जामा मस्जिद में करीब 150 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। मस्जिद के आसपास करीब 20-20 मीटर की दूरी पर जवान तैनात रहे। पुलिस का कहना है कि जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। सुरक्षा व्यवस्था को एहतियात के तौर पर मजबूत रखा गया था।

मेरठ में जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट, जामा मस्जिद में मीडिया की एंट्री रोकी

मेरठ में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। सहारनपुर मस्जिद प्रकरण के बाद शहर में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में शुक्रवार को नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। इसका असर शहर की कुछ मस्जिदों में भी नजर आया। कोतवाली क्षेत्र की जामा मस्जिद में नमाज के दौरान मीडिया को प्रवेश नहीं दिया गया। मस्जिद के दरवाजे बंद कर नमाज अदा कराई गई। इसे लेकर इलाके में चर्चा रही।

10 फरवरी 2025 को बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मस्जिद को अवैध बताते हुए डीएम से शिकायत की थी। मस्जिद परिसर के कमरों और डाकघर से किराया वसूले जाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद डीएम ने मजिस्ट्रेट को जांच के आदेश दिए। जांच में मस्जिद अवैध पाई गई।

24 मार्च, 2025 को प्रशासन ने नगर मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की। 16 जुलाई, 2026 को कोर्ट ने मस्जिद को अवैध माना और उसे हटाने के साथ 6.41 करोड़ रुपए की हर्जाना वसूलने का आदेश दिया। कब्जेदारों को 30 दिन का समय दिया। 20 जुलाई को मस्जिद पक्ष ने मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ जिला कोर्ट में याचिका दाखिल की। 24 जुलाई को जिला कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के फैसले पर स्टे देते हुए सुनवाई आगे बढ़ाई। 2 सितंबर को जिला जज सतेंद्र कुमार की कोर्ट ने सिटी मजिस्ट्रेट के ध्वस्तीकरण के आदेश को बरकरार रखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी।

5 सितंबर को ढहाई गई मस्जिद, नीचे मिला कुआं

सहारनपुर में 5 सितंबर को प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को अवैध बताते हुए गिरा दिया था। 16 घंटे तक 6 बुलडोजर चले। रविवार सुबह मलबा हटाने पर नीचे कुआं मिला। सोमवार सुबह ASI की टीम जांच के लिए पहुंची। 3 अफसरों ने कुएं के अंदर उतरकर जांच की और फीता डालकर गहराई मापी। अफसर ने कहा- कुआं 200 से 250 साल पुराना हो सकता है।

प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद मस्जिद गिराई गई। मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उसे हाईकोर्ट में अपील का मौका नहीं दिया गया। वकील बाबर वसीम ने कहा- कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में सरयू का कटान आबादी तक पहुंचा

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र के हेतमापुर गांव में सरयू नदी का कटान तेजी से आबादी की ओर बढ़ रहा है। नदी की धारा खेतों और मकानों को लगातार निगल रही है। पिछले 24 घंटे में 7 और मकान नदी में बह गए। हालात ऐसे हैं कि कई ग्रामीण अपने हाथों से घर तोड़कर सामान निकालने को मजबूर हैं। अब गांव की वर्षों पुरानी एक मस्जिद पर भी कटान का खतरा मंडरा रहा है।

गोरखपुर में एयरलाइन्स पर 64 हजार का हर्जाना

गोरखपुर। गोरखपुर के जिला उपभोक्ता आयोग ने एक पुराने मामले में बड़ा और सख्त फैसला सुनाया है। यह मामला करीब 6 साल पुराना है, जिसमें एक यात्री को तय समय से पहले ही फ्लाइट में बैठने से रोक दिया गया था। लंबी कानूनी प्रक्रिया और सुनवाई के बाद अब जाकर पीड़ित को न्याय मिला है। आयोग के इस फैसले ने यह संदेश दिया है कि देर भले हो, लेकिन न्याय मिलता जरूर है। यह मामला गोरखपुर के रुस्तमपुर स्थित न्यू शिवपुरी कॉलोनी के रहने वाली जया उपाध्याय से जुड़ा है।

छात्रा को किस करने वाला शिक्षक एक बच्चे का बाप

गोरखपुर । गोरखपुर के कंप्यूटर सेंटर में नाबालिग छात्रा को किस करने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज कर किया। देर शाम आरोपी शिक्षक जगदीश चौरसिया को भी गिरफ्तार कर लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसके बाद पुलिस ने छात्रा के परिजनों से तहरीर लेकर कार्रवाई की।

नगर निगम ने वाराणसी में चिह्नित किए 489 जर्जर मकान

पक्के महाल में जर्जर मकान सबसे अधिक

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में लगातार दो दिन दो मकान बारिश की वजह से गिर गए। गनीमत यह रही की दोनों मकान बंद थे। और कोई उसमे रहता नहीं था। जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। ऐसे में नगर निगम ने एक बार फिर जर्जर मकानों को लेकर एक बड़ा अभियान शुरू किया है। शहर के 489 जर्जर मकानों को चिह्नित कर सभी को नोटिस भेजी है। वहीं पार्षदों से भी अपने क्षेत्र के जर्जर मकानों की लिस्ट मांगी गई है।

नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने बताया की सभी को नगर निगम की धारा 331 के अंतर्गत नोटिस भेजी गयी है और सभी मरम्मत या तोड़ने की बात कही गयी है। वहीं उन्होंने यह भी बबताया की ज्यादातर मकान जो जर्जर हैं उनका किराएदारी का विवाद कोर्ट में लंबित है। इसलिए निगम मजबूर हैं। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने बताया - वाराणसी शहर एक प्राचीन शहर है। यहां का जो पक्का महाल इलाका है वहां कई सारे जर्जर मकान हैं। नगर निगम के ताजा रिकार्ड के अनुसार निगम क्षेत्र में कुल 489 जर्जर भवन चिह्नित किए गए हैं। इन सभी भवन स्वामियों को नगर निगम द्वारा नोटिस इश्यू कर दी गई है। इस पत्र में बताया गया कि आप अपने जर्जर मकान की मरम्मत करवा लें। यदि आप मरम्मत करवाने में सक्षम नहीं हैं। तो नगर निगम वाराणसी को पत्र लिखें। इस पर नगर निगम की टीम उसका निरीक्षण कर इस्टीमेट बनाएगी और उसका ध्वस्तीकरण करवाएगी और जो उसका शुल्क होगा उसे वसूलेगी।

बलिया में हमलावरों ने गिराकर पीटा, चाकू से गोदा, भाई पर भी जानलेवा हमला

पूर्व सीआरपीएफ जवान की हत्या, अंतड़ियां बाहर आईं

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया । बलिया में पूर्व CRPF जवान की हत्या कर दी गई। गुरुवार रात 9 बजे पड़ोसी अचानक उनके डेयरी फार्म पर पहुंचे। उन्हें गिरा-गिराकर पीटा, फिर पेट में चाकू से कई वार किए। शोर सुनकर भाई बचाने पहुंचा तो उसके सीने पर भी चाकू से हमला कर दिया।

दोनों भाई घायल होकर सड़क पर गिर गए। यह देखकर आरोपी भाग गए। घरवाले दोनों भाइयों को अस्पताल ले गए, जहां पूर्व CRPF जवान की मौत हो गई। भाई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस जांच में पता चला है कि जमीन के विवाद में आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया।

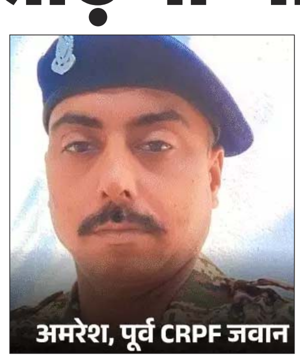

अमरेश, पूर्व CRPF जवान

घटना की सूचना पर पुलिस ने रात में ही छापेमारी कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया। मामला जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर उभांव थाना क्षेत्र का है। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस तैनात की गई है। 45 साल के अमरेश बहादुर सिंह ने इसी साल 31 मार्च को CRPF से VRS ले लिया था। अमरेश बेल्थरारोड इलाके के दोथ सोनाडीह गांव के रहने वाले थे। परिवार में पत्नी कंचन सिंह और तीन बेटियां कृतिका, रितिका और रोशनी हैं। तीनों की उम्र 15 से 20 साल के बीच है। साथ में उनका भाई मंजेश सिंह (35) भी रहते हैं। दोनों भाई घर के पास डेयरी फार्म चलाते थे। गुरुवार को अमरेश डेयरी फार्म पर सो रहे थे, तभी पड़ोसी गिरीश सिंह अपनी पत्नी शीला, दो बेटों करन और सूरज व बेटी खुशी के साथ पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर पूरे परिवार ने अमरेश पर हमला कर दिया। अमरेश ने शोर मचाया तो आरोपी उन्हें गिराकर पीटने लगे और चाकू से पेट पर ताबड़तोड़ कई वार किए।

> एएसपी दिनेश कुमार शुक्ला ने कहा-जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे लेकर हत्या हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार की शिकायत पर पांच लोगों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज की गई। तीन आरोपियों को रात में ही हिरासत में ले लिया गया। दो फरार हैं। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 3 टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

पत्नी बोलीं- अरोपियों के घर चले बुलडोजर

अमरेश की हत्या के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बच्चों को रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी पत्नी कंचन ने सभी आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की है। कहा कि मेरे पति के हमलावरों के घर को बुलडोजर से गिराया जाए। हत्याकांड के बाद पुलिस ने रात में ही आरोपियों के घर दबिश दी। जहां से आरोपी गिरीशी की बेटी खुशी, पत्नी शीला सिंह व बेटे सूरज को गिरफ्तार कर लिया। जबकि गिरीश और बेटा करन घर छोड़कर फरार हैं।

पूर्व सीआरपीएफ जवान और उनके भाई को हमलावरों ने गिराकर पीटा, फिर चाकू से गोद डाला। उनकी अंतड़ियां बाहर आ गईं।

घटते पानी में भी हेतमापुर का दर्द नहीं घटा घरों के बाद अब मंदिर की जमीन पर नदी की नजर

जिस घर को जिंदगी भर बनाया उसे खुद तोड़ रहे ग्रामीण

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। जिस घर की एक-एक ईंट जोड़ने में जिंदगी बीत गई, जिस आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजीं और जिस छत के नीचे परिवार ने सुख-दुख के कितने ही साल गुजारे, आज उसी आशियाने को ग्रामीण अपने हाथों से तोड़ रहे हैं। वजह है सरयू-घाघरा नदी की बेरहम कटान। पानी भले ही घट गया हो, लेकिन हेतमापुर में नदी का दर्द और खतरा कम नहीं हुआ है। अब बाढ़ का पानी नहीं, बल्कि कटती जमीन ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में जहां सुंदरनगर, कोड़री, सकतापुर, बलईपुर, कोयलीपुरवा और केदारीपुर गांवों में जलस्तर घटने से राहत जरूर मिली है। लेकिन हेतमापुर में नदी की धार लगातार किनारों को काट रही है। करीब दस दिनों में सैकड़ों बीघा जमीन और कई घर नदी में समा चुके हैं।

हवा में लटका मस्जिद का हिस्सा

अब बाबा नारायण दास मंदिर की तरफ बढ़ रही नदी

हेतमापुर में कई घरों को निगलने के बाद नदी की धार अब बाबा नारायण दास मंदिर के पीछे की जमीन की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। मंदिर के आसपास कटान शुरू होने से श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दिनों हनुमान मंदिर और एक्सचेंज बिल्डिंग समेत कई निर्माण नदी में समा चुके हैं। अब मंदिर की ओर बढ़ती कटान ने लोगों को और डरा दिया है। लोगों को आशंका है कि यदि नदी की धार को समय रहते रोका नहीं गया तो आने वाले दिनों में नुकसान और बढ़ सकता है।

घर नदी में गिरने का इंतजार नहीं, खुद निकाल रहे अपनी गृहस्थी

कटान की जद में पहुंचे परिवारों के लिए सबसे दर्दनाक पल वह है, जब उन्हें अपना ही घर तोड़ना पड़ रहा है। कोई दीवार की ईंट उखाड़ रहा है, कोई दरवाजा निकाल रहा है तो कोई छत और सरिया बचाने में जुटा है। घर टूट रहा है, लेकिन लोग उसकी ईंटों में अपनी जिंदगी के बचे हुए हिस्से तलाश रहे हैं। ग्रामीण दिलीप कुमार, कलावती, शकील, मैकूलाल, लोटन, पलटू, राजू, द्वारिका, कल्लू और मोहम्मद शरीफ समेत अन्य लोगों का कहना है कि नदी के सामने अब कोई भरोसा नहीं रह गया है। कब जमीन धंस जाए और कब मकान नदी में चला जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। इसलिए घर गिरने से पहले ही जरूरी सामान निकालना मजबूरी बन गया है। किसी ने गृहस्थी का सामान रिश्तेदारों के यहां भेज दिया है तो कोई सड़क किनारे सुरक्षित जगह तलाश रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि घर बचा नहीं तो परिवार कहां रहेगा।

गर्ल्स-हॉस्टल में बाथरूम के कैमरे में कई वीडियो कैद

गोरखपुर की लड़कियों की नींद उड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के मोहद्दीपुर स्थित उत्तम गर्ल्स हॉस्टल के बाथरूम में रिकॉर्डिंग मोड में मोबाइल मिलने के मामले में पुलिस की जांच आगे बढ़ी है। गुरुवार को पुलिस ने हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं और वार्डन आरती सिंह का बयान दर्ज किया। उन्होंने बतया कि छात्राएं पैड फेंककर गंदगी करती थी, इसका पता लगाने के लिए कैमरा लगाया था। घटना के बाद छात्राएं डरी हुई हैं। पुलिस ने छात्राओं की निजता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मोबाइल में मिले आपत्तिजनक वीडियो को डिलीट कर दिया है। इस घटना के बाद 7 वीडियो वायरल हुए हैं। बताया जा रहा है कि जिन हॉस्टल की छात्राओं के नहाते और फ्रेश होते वीडियो वायरल हुए हैं। वे रात भर सो नहीं पा रही हैं। उन्हें डर लग रहा है कि एक भी वीडियो वायरल होकर दूर तक पहुंचा तो उनका कॅरियर बनने से पहले ही बिगड़ जाएगा। बाथरूम में लगे मोबाइल में 3 घंटे का वीडियो रिकॉर्ड हुआ है। जिससे छात्राएं मानसिक रूप से परेशान हो गई हैं। वहीं वार्डेन पहले पैड फेंकने की वजह से रिकॉर्डिंग करने की बात कह रही थीं। अब उनका बयान है कि रात में बाथरूम की लकड़ी की दीवार को लड़कियां बार-बार नोच दे रही थीं। इसका पता लगाने के लिए मोबाइल रिकॉर्डिंग के लिए रखा था।

छापा : 50 हजार की रिश्वत लेते एपीओ और अधीक्षक पकड़े गए, कानपुर के लोको पायलट से मांगी थी घूस

डीआरएम ऑफिस में सीबीआई का छापा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल यानी DRM ऑफिस में गुरुवार शाम सीबीआई ने छापा मारा। टीम के पहुंचते ही वहां हड़कंप मच गया। सीबीआई अफसरों ने सहायक कार्मिक अधिकारी (APO) अरविंद कुमार और कार्यालय अधीक्षक राजेश मणि त्रिपाठी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में ले लिया।

कार्रवाई के बाद देर रात तक मंडल कार्यालय में खलबली मची रही। शिकायतकर्ता की मंडल कार्यालय में APO अरविंद कुमार और कार्यालय अधीक्षक राजेश मणि त्रिपाठी से मुलाकात हुई। आरोप है कि बातचीत के दौरान जैसे ही 50 हजार रुपये की रिश्वत की रकम ली गई, पहले से निगरानी कर रही सीबीआई टीम ने दोनों को पकड़ लिया।

मंडल कार्यालय में सीबीआई की कार्रवाई की भनक लगते ही कर्मचारियों में हलचल मच गई। दोनों कर्मचारियों को पकड़े जाने के बाद काफी देर तक कार्यालय में अफरातफरी का माहौल रहा। कर्मचारी पहले तो कुछ समझ ही नहीं पाए। बाद में मामला खुलने पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

दोनों कर्मचारियों को पकड़ने के बाद सीबीआई टीम ने मंडल कार्यालय में भी छानबीन की। बताया जा रहा है कि स्थानांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड खंगाले गए। कुछ अभिलेख सीबीआई द्वारा अपने कब्जे में लिए जाने की भी चर्चा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीबीआई की कार्रवाई के बाद अब जांच आगे बढ़ेगी। इसमें यह देखा जाएगा कि लोको पायलट से रिश्वत की मांग किस स्तर पर हुई थी और ट्रांसफर के मामले में दोनों कर्मचारियों की क्या भूमिका थी। जांच आगे बढ़ने पर प्रकरण से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अमित मालवीय ने बताया कि सीबीआई की ओर से कुछ कार्रवाई किए जाने की जानकारी मिली है। हालांकि देर रात तक रेलवे प्रशासन को सीबीआई की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली थी।

कानपुर के लोको पायलट ने की थी शिकायत

मामला कानपुर में तैनात एक लोको पायलट के स्थानांतरण से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि ट्रांसफर से संबंधित काम कराने के लिए उससे 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। लोको पायलट ने इसकी शिकायत सीबीआई के लखनऊ कार्यालय में की थी। सूत्रों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने आरोपों की जांच शुरू की। जांच के बाद टीम ने शिकायतकर्ता के जरिए रिश्वत की रकम देने की योजना बनाई। गुरुवार शाम शिकायतकर्ता 50 हजार रुपए लेकर प्रयागराज मंडल कार्यालय पहुंचा।

बरेली कॉलेज में यूजीसी-नेट कोचिंग कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली । बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा Environment, Agriculture and Education Society (EAES) के सहयोग से UGC-NET Coaching Programme–2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रबन्धन समिति के सचिव श्री देवमूर्ति जी के संरक्षण, प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन एवं कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य को पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा पौधा देकर शुरू किया गया । बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा शासन के निर्देश से पूर्व ही विद्यार्थियों के हित में UGC-NET कोचिंग कार्यक्रम की पहल प्रारंभ कर दी गई थी। कार्यक्रम के प्रति विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और अब तक 75 विद्यार्थियों द्वारा पंजीकरण कराया जा चुका है। कार्यक्रम के अंतर्गत UGC-NET Paper-I की तैयारी सभी विषयों के अभ्यर्थियों के लिए तथा Paper-II (Environmental Science) की विशेष तैयारी पर्यावरण विज्ञान के अभ्यर्थियों के लिए कराई जाएगी। कोचिंग कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में संचालित होगा, जिसमें पांच दिन ऑनलाइन तथा एक दिन ऑफलाइन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को कॉन्सेप्ट आधारित शिक्षण, अध्ययन सामग्री, मॉक टेस्ट, पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों की चर्चा, डाउट क्लियरिंग सेशन, विशेषज्ञ व्याख्यान, नियमित प्रदर्शन मूल्यांकन तथा करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। M.Sc. Environmental Science के अध्ययनरत एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए Paper-I एवं Paper-II की कोचिंग पूर्णतः निःशुल्क रहेगी, जबकि अन्य विषयों के विद्यार्थियों को Paper-I की तैयारी की सुविधा उपलब्ध होगी।

> उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जवाब नहीं मिलने पर अफसरों को दी सूचना, पुलिस जांच में जुटी

छुट्टी से लौटे सिपाही की कमरे में मिली लाश, अंदर से बंद था दरवाजा

घटना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। दो दिन की छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौटे पुलिस लाइन के सिपाही संदीप कुमार का शव शुक्रवार सुबह किराए के कमरे में मिला। वह पुलिस लाइन में मेस मुंशी के पद पर तैनात थे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी।

मऊ के कोपागंज क्षेत्र के नौसेमर गांव निवासी संदीप अकबरपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे

किराए के कमरे में अकेले रहते थे। वह दो दिन की छुट्टी पर घर गए थे और गुरुवार को लौटकर कमरे पर आए थे। शुक्रवार सुबह मेस की चाबी लेने के लिए साथी सिपाही ने संदीप को फोन किया। कई बार कॉल करने के बाद भी जवाब नहीं मिला। साथी कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। साथी ने अधिकारियों

सुसाइड नोट नहीं मिला, मोबाइल की जांच

पुलिस के अनुसार, कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस ने इसे अभी अंतिम कारण नहीं माना है। मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। घटना से पहले की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस अन्य पहलुओं को भी देख रही है।

को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल हुई। संदीप का शव खिड़की की ग्रिल से लटका मिला। संदीप वर्ष 2018 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। वर्ष 2023 में उनकी शादी हुई थी। परिवार में पत्नी रंजना और करीब डेढ़ साल की

> एएसपी डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि संदीप दो दिन की छुट्टी के बाद गुरुवार को ड्यूटी पर लौटे थे। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। विभागीय या कामकाजी तनाव की जानकारी नहीं मिली है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

बेटी है। वह परिवार के इकलौते बेटे थे। घटना की सूचना पर पिता और पत्नी अम्बेडकरनगर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

जलभराव में फंसी बच्चों की राह दो आईएएस अफसर पहुंचे

- जिलाधिकारी के निर्देश पर मोहरई पहुंचीं एसडीएम प्रतीक्षा सिंह और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थनिगईयरसन टी, पहले जलनिकासी फिर मार्ग को कराया मोटरेबल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर तहसील के मोहरई गांव में विद्यालय जाने वाले रास्ते पर जलभराव और गंदगी से बच्चों की राह मुश्किल हो गई थी। समस्या की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने इसे प्राथमिकता पर लेते हुए तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

निर्देश मिलते ही उप जिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट

थनिगईयरसन टी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मौके की स्थिति देखी और जलभराव की समस्या दूर कराने के लिए तत्काल जलनिकासी का काम शुरू कराया। पानी निकलने के बाद जिला पंचायत की टीम को लगाकर मार्ग पर आवश्यकतानुसार जीएसबी डाली गई। इसके बाद रास्ते को मोटरेबल बनाया गया, जिससे बच्चों और ग्रामीणों का आवागमन सुगम हो गया।

विद्यालय जाने वाले बच्चों के आवागमन से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों ने मौके पर ही कार्रवाई कराई। रास्ते की स्थिति सुधरने के बाद ग्रामीणों ने राहत जताई।

जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों समेत आम लोगों की सुविधा से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निस्तारण को प्राथमिकता दी जा रही है।

फास्ट न्यूज

गाजियाबाद में बेटी ने पिता पर पिस्टल तानी

लोनी । गाजियाबाद में एक युवती ने अपने पिता और भाभी पर पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी। पिता ने बेटी के कार लोन के लिए बैंक वेरिफिकेशन कराने से मना कर दिया था। 8 सितंबर का यह मामला जिला मुख्यालय से करीब 9 किलोमीटर दूर साहिबाबाद थाना क्षेत्र की वृंदावन गार्डन कॉलोनी का है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है। पिता ने 9 सितंबर को बेटी और उसकी सहेली के खिलाफ थाने में FIR दर्ज कराई है।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. डीपी वर्मा का निधन

अम्बेडकरनगर। जिला अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ. डीपी वर्मा का लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे और उनका उपचार चल रहा था।

निधन की खबर मिलते ही जिला अस्पताल के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारियों में शोक छा गया। सहकर्मियों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सहकर्मियों ने डॉ. डीपी वर्मा के निधन को अस्पताल के लिए बड़ी क्षति बताया।

जीतने के लिए घोड़े का इंजेक्शन लगाकर दौड़े 2 युवक

आगरा। आगरा में 6 किमी की दौड़ जीतने के लिए दो युवकों ने घोड़ों को दिया जाने वाला स्टेरॉयड इंजेक्शन लगा लिया। दौड़ खत्म होते ही दोनों की हालत बिगड़ी और मैदान में गिर पड़े। साथी उन्हें स्थानीय अस्पताल ले गए। 2 घंटे दोनों का इलाज चला। गांव वालों के मुताबिक, प्रतियोगिता में श्यामवीर सिकरवार (16) दूसरे और गौरव (22) चौथे स्थान पर आए।

गांवों में हर दिन रोजगार देने की रणनीति पर मंथन

भियांव ब्लॉक के बांदीपुर में रोजगार सेवकों के साथ बैठक

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भियांव ब्लॉक के बांदीपुर में खंड विकास अधिकारी निरंजन प्रकाश और सहायक कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार चौबे ने रोजगार सेवकों के साथ बैठक की। बैठक में गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने पर चर्चा हुई।

अधिकारियों ने रोजगार सेवकों से गांवों में प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने को कहा। इसके लिए जरूरी कार्यों की पहचान और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की रणनीति पर भी संवाद किया गया।

बीडीओ ने रोजगार सेवकों को गांवों में उपलब्ध कार्यों की नियमित जानकारी जुटाने और रोजगार से

जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। एपीओ ने भी रोजगार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में दीपमाला मिश्रा, आरती, प्रदीप कुमार, श्रवण कुमार, कमलेश कुमार और वंदना समेत अन्य रोजगार सेवक मौजूद रहे। रोजगार सेवकों ने अधिकारियों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

बैठक में गांवों में रोजगार और विकास कार्यों को लगातार आगे बढ़ाने के लिए समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया गया।

स्कूल के पास पेड़ से लटका मिला बुजुर्ग का शव, जांच में जुटी पुलिस

बड़ेपुर गांव में शुक्रवार सुबह घटना से मची खलबली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के बड़ेपुर गांव में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गांधीनगर स्कूल के पास एक पेड़ से 70 वर्षीय बाबूलाल विश्वकर्मा का शव लटका मिला। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर जांच शुरू की।

पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया मामला फंदे से लटकने का प्रतीत हो रहा है। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

गांधीनगर स्कूल के पास पेड़ पर

शव लटका होने की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और आवश्यक कार्रवाई पूरी की। सम्मनपुर थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बाबूलाल रामकिशोर के बेटे थे। परिवार में तीन बेटे मोहित विश्वकर्मा, राजमन विश्वकर्मा और दुर्गेश विश्वकर्मा हैं। उनकी एक बेटी भी है। बताया गया कि तीनों बेटे बाहर रहकर काम करते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। मौके पर उपनिरीक्षक दिनेश राय, सिपाही कृष्ण कुमार और अतुल कुमार समेत पुलिसकर्मी मौजूद रहे। ग्राम प्रधान विनोद कुमार गुप्ता, भाजपा नेता अशोक कुमार और अन्य ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

एक नवंबर से शुरू होगी धान खरीद जिले में बनाए गए 99 क्रय केंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में धान खरीद की प्रक्रिया एक नवंबर 2026 से शुरू होगी। किसानों से धान खरीद के लिए कुल 99 क्रय केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। प्रशासन ने सभी केंद्रों पर जरूरी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश संबंधित क्रय एजेंसियों को दिए हैं।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी गौरख नाथ पांडेय ने बताया कि स्वीकृत केंद्रों में खाद्य विभाग के 42, पीसीएफ के 35, पीसीयू के 19, मंडी समिति के दो और भारतीय खाद्य निगम का एक केंद्र शामिल है।

सभी क्रय एजेंसियों को अपने केंद्रों पर प्रभारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही धान की खरीद के लिए नमी मापक यंत्र, वजन मशीन और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने को कहा गया है। एजेंसियों को केंद्र प्रभारियों की पूरी सूची और सभी केंद्रों का रूट चार्ट भी उपलब्ध कराना होगा। इससे खरीद केंद्रों की निगरानी के साथ

किसानों को अपने नजदीकी केंद्र की जानकारी मिल सकेगी।

खरीद केंद्रों पर बनेगा हेल्पडेस्क

अधिकारियों के अनुसार, किसानों की सुविधा के लिए क्रय केंद्रों पर हेल्पडेस्क की व्यवस्था की जाएगी। यहां किसान धान खरीद से संबंधित अपनी समस्याओं और जानकारी के लिए संपर्क कर सकेंगे।

शासन के निर्देशों के बाद जिलाधिकारी स्तर से भी सभी संबंधित अधिकारियों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी तरह की अनियमितता या लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गांव के विकास में आगे आए दानदाता

मातृभूमि योजना से स्वास्थ्य, शिक्षा और जनसुविधाओं के कामों को रफ्तार

- अम्बेडकरनगर में 10 लोगों ने जुटाए 2.84 करोड़
- पार्क-ओपन जिम के लिए अकेले दो करोड़ का सहयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सरकारी योजनाओं के साथ अब जनसहभागिता से भी गांवों में विकास की नई तस्वीर तैयार हो रही है। उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना के तहत अम्बेडकरनगर में 10 दानदाताओं ने अलग-अलग विकास परियोजनाओं के लिए करीब 2.84 करोड़ रुपये की धनराशि दी है या प्रस्तावित की है। इस सहयोग से स्थानीय जरूरतों से जुड़े कई काम कराए जा रहे हैं।

योजना के तहत प्रवासी और सक्षम नागरिक अपने गांव और क्षेत्र में जरूरी सुविधाओं के विकास के लिए आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। जिले में मिले सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, स्वच्छ ऊर्जा और जनसुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं को गति दी जा रही है।

विभिन्न दानदाताओं ने आंगनबाड़ी केंद्र में वाटर कूलर के लिए 1.50 लाख रुपये, सोलर लाइट के लिए 60 हजार और 15 हजार रुपये तथा डिजिटल लाइब्रेरी के लिए एक लाख रुपये दिए हैं।

इनके अलावा अन्य विकास कार्यों के लिए भी दानदाताओं का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ है। प्रशासन के मुताबिक, जिले में अब तक 10 दानदाताओं से करीब 2.84 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त या प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना जनसहभागिता की विकास गाथा नामक पंपलेट का कटेहरी विधायक, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने जनसहभागिता के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को इससे गति मिल रही है।

2 करोड़ से बनेगा पार्क और ओपन जिम

मातृभूमि योजना के तहत सबसे बड़ा सहयोग पार्क और ओपन जिम के लिए दो करोड़ रुपये का है। यह सहयोग शिवशंकर पाण्डेय ने दिया है। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 59.97 लाख रुपये और कम्युनिटी हॉल के लिए 19 लाख रुपये का सहयोग परमात्मा सिंह ने दिया है। लाइब्रेरी स्थापना के लिए एनजीओ/समाजसेवी संस्था ने 6 लाख रुपये उपलब्ध कराए हैं।

भोर तीन बजे से रात एक बजे तक बसों का संचालन, परमिट-फिटनेस जांच पर सवाल

आलापुर की प्रमुख बाजारों से महानगरों तक निजी बसों का नेटवर्क

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर (अम्बेडकरनगर)। तहसील क्षेत्र की प्रमुख बाजारों से महानगरों और दूसरे जनपदों के लिए संचालित निजी बसों को लेकर परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ बसों के परमिट, फिटनेस और अन्य जरूरी दस्तावेजों की वैधता संदिग्ध है। इसके बावजूद नियमित जांच और कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

रामनगर, जहांगीरगंज, राजेसुल्तानपुर, कम्हरिया बाजार, गिरैया, माडरमऊ, चहोड़ा और न्यौरी से प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली, वाराणसी, कानपुर और गोरखपुर के लिए बसों का संचालन होता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बसों की आवाजाही तड़के करीब तीन बजे से शुरू होकर देर रात एक बजे तक

चलती है। सबसे बड़ा सवाल बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र की नियमित जांच को लेकर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग को अभियान चलाकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितने वाहनों की जांच हुई और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कितनी कार्रवाई की गई। कुछ बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने की शिकायतें भी सामने आती हैं। यात्रियों ने मनमाना किराया वसूलने और चालक-परिचालकों के व्यवहार को लेकर भी शिकायतें बताई हैं। ऐसे में बसों की यात्री क्षमता और किराया व्यवस्था की जांच जरूरी है। बसों की डिग्गियों में सामान ले जाने को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि किसी अवैध गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई है। नियमित जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

एसपी की जनसुनवाई में पहुंचीं फरियादें दिए निर्देश

प्राची सिंह ने कार्यालय में सुनीं आमजन की शिकायतें

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। उन्होंने आमजन की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उनके निस्तारण के संबंध में जानकारी ली।

जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के सामने रखीं। एसपी ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ताओं को प्रभावी समाधान उपलब्ध कराने को कहा।

जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेजकर उनके निस्तारण की जिम्मेदारी तय की गई।

अपील : आठ सितंबर से शुरू अभियान में गांव-गांव पहुंच रही पशु चिकित्सीय टीम

लम्पी से गोवंश को बचाने के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

- 1.20 लाख वैक्सीन उपलब्ध
- जिले में अभी संक्रमण का कोई मामला नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। गोवंशीय पशुओं को लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) से बचाने के लिए जिले में विशेष टीकाकरण अभियान शुरू हो गया है। आठ सितंबर से चल रहे अभियान के लिए जिले में 1.20 लाख वैक्सीन उपलब्ध कराई गई हैं। विकासखंड स्तर पर पशु चिकित्सा अधिकारियों की निगरानी में पशुधन प्रसार अधिकारियों और पैरावेट की टीमें

गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण कर रही हैं। लम्पी स्किन डिजीज विषाणु-जनित बीमारी है। बरसात के मौसम में मक्खी, मच्छर और पिस्सू के जरिए इसके फैलने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि, जिले में अभी तक लम्पी संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। पशुपालकों से सभी गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण कराने की अपील की गई है। पशुपालकों को पशुशाला में साफ-सफाई रखने और कीटाणुनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी गई है। शाम के समय नीम की पत्तियों का धुआं करने की भी सलाह दी गई है। संक्रमित पशु को चरने के लिए बाहर नहीं भेजने को कहा गया है। शरीर पर बनी गांठ या घाव फूटने पर नीम की पत्तियों या पोटैशियम परमैंगनेट के घोल से सफाई करने और एंटीसेप्टिक मलहम लगाने की सलाह दी गई है। इससे घाव पर मक्खी-मच्छर बैठने का खतरा कम किया जा सकता है। विभाग ने पशु की मृत्यु होने पर शव को खुले में न फेंकने की सलाह दी है। शव को गड्ढा खोदकर नियमानुसार जमीन में दफन करने को कहा गया है। पशु चिकित्सा विभाग ने पशुपालकों से बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर घरेलू उपचार के बजाय समय से पशु चिकित्सक की सलाह लेने को कहा है।

बुखार और शरीर पर गांठें दिखें तो करें तत्काल सूचना

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अरविंद कुमार सिंह के अनुसार, लम्पी के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, मुंह से लार गिरना, शरीर पर गांठें, पैरों में सूजन और लंगड़ाहट शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए और तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। पशु चिकित्सा संबंधी सहायता के लिए 1962 पर भी फोन किया जा सकता है।

शोक सलामी के बीच आरक्षी संदीप कुमार को अंतिम विदाई

शोकाकुल परिवार के प्रति जताई संवेदना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आरक्षी संदीप कुमार के असामयिक निधन पर पुलिस लाइन में गार्द ने शोक सलामी देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह समेत पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस लाइन में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी तेजवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार और प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आरक्षी के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अंतिम यात्रा के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, दोनों अपर पुलिस अधीक्षकों समेत पुलिस अधिकारियों ने पार्थिव शरीर को कंधा दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने दिवंगत साथी को अंतिम विदाई दी। आरक्षी के निधन से पुलिस विभाग में शोक रहा। विभाग की ओर से शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

सम्पादकीय

कांग्रेस की संकीर्णता

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का यह आदेश विचित्र और विरोधाभासी ही है कि राजकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो ही पद गाए जाएंगे। यह आदेश इसलिए हैरान करता है, क्योंकि इसी में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल आदि की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के सभी छह पद गाए जाएंगे। आखिर कर्नाटक सरकार अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के पूर्ण गायन से क्यों हिचक रही है?

लगता है ऐसा फैसला केवल इसलिए किया गया ताकि कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से गांधी परिवार को संतुष्ट किया जा सके और साथ ही कर्नाटक में किसी राजनीतिक नुकसान से भी बचा जा सके, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि दो नावों की सवारी कभी हितकारी नहीं होती। यह फैसला इसलिए गांधी परिवार के दबाव का नतीजा दिखता है, क्योंकि इसी 15 अगस्त को कर्नाटक में स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् का पूर्ण गायन हुआ था।

वंदे मातरम् को अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग तरीके से गाने का फैसला राष्ट्रीय गीत का अनादर ही है। आखिर जब वंदे मातरम् के पूर्ण गायन को लेकर एक कानून बना दिया गया है, तब फिर उसकी अवहेलना करने का क्या औचित्य? इससे बड़ी विंडबना और कोई नहीं कि संविधान की शपथ लेने वाली कोई सरकार ही संसद से पारित किसी कानून की अनदेखी करे। यदि सरकारें ही ऐसा करेंगी तो फिर इससे कानून की अवहेलना की प्रवृत्ति को बल ही मिलेगा।

कर्नाटक सरकार का फैसला उन तत्वों को बल प्रदान करने वाला है, जो किसी न किसी बहाने राष्ट्रीय प्रतीकों को सम्मान देने से इन्कार करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते राष्ट्रीय गीत को पूर्ण सम्मान देने के लिए तैयार नहीं। कांग्रेस वंदे मातरम् के दो ही पद गाने पर इसलिए अड़ी है, क्योंकि देश विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग की आपत्ति के बाद 1937 में इस गीत के इतने ही पद गाने का फैसला किया गया था। ध्यान रहे इसके बावजूद मुस्लिम लीग अलगाववादी एजेंडे पर चलती रही और देश के विभाजन का कारण बनी। आखिर कांग्रेस आज भी मुस्लिम लीग की आपत्तियों को महत्व क्यों दे रही है? कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस ने वंदे मातरम् का पूर्ण गायन करना पसंद किया। हैरानी यह रही कि कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताई। ऐसा कर उसने अपनी संकुचित मानसिकता का ही परिचय दिया। वह यह देखने को भी तैयार नहीं कि नेशनल कांफ्रेंस ने उसे यह नसीहत देने में देर नहीं की थी कि राष्ट्रीय गीत का गायन किस तरह हो, इसे तय करने का अधिकार उसे नहीं है।

वाणी संयम दिवस

प्रश्न हो सकता हैं कि जब हमारे पास बोलने की शक्ति हैं तो फिर मौन क्यों? कहना तो यह चाहिए कि प्राप्त शक्ति का अधिकतम उपयोग करो । मन है तो चिंतन करो, वाणी है तो बोलो और शरीर मिला हैं तो क्रिया करो । यह वर्जना और निषेध क्यों? प्रश्न बहुत स्वाभाविक हैं इसका उत्तर खोजे तो बहुत कठिन नहीं हैं । मौन को समझने का प्रयत्न करे तो पहले यह लगेगा की मौन का सही अर्थ तो पता कर लेना चाहिए । मौन का अर्थ हैं बोलने की कला । केवल न बोलना मौन नहीं है । ढंग से बोलना , कलापूर्ण बोलना मौन हैं । शक्ति का उपयोग कब करना चाहिए ? क्यों करना चाहिए और कैसे करना चाहिए ? ये तीनो महत्वपूर्ण प्रश्न हैं । हमारे पास बोलने की शक्ति हैं, किंतु इसका मतलब यह नहीं हैं कि हर समय बोलते ही रहें । कब बोले ? पहले इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए। निरंतर बोलते ही रहेंगे तो पागल हो जाएंगे, शक्ति क्षीण हो जाएगी । एक समय ऐसा आएगा कि वाणी पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाएगी । शक्ति असीम नहीं हैं । उसकी सीमा हैं, अवधि हैं। हर शक्ति के साथ कला जुड़ी हुई है ।बोले, लेकिन जब आवश्यकता हो तब बोले अन्यथा न बोलें । इसका नाम हैं मौन ।अवसर हो तो बोलें , अवसर न हो तो न बोलें । उपयोगिता हो, अपेक्षा हो , वहां बोलना चाहिए । कुछ लोगों को बोलने की बीमारी जैसी हो जाती हैं । वे चुप नहीं रह सकते । जिससे चिपक जाते हैं, जल्दी से छोड़ते नहीं है । ऐसे लोगो से पिंड छुड़ाना पड़ता हैं । ऐसे भी लोग होते है, जो मौके पर बोलने से चूक जातें हैं । जहां बोलना चाहिए. वहां नहीं बोलते और जहां नहीं बोलना चाहिए , वहां बोल पड़ते हैं । इससे काम बिगड़ जाता हैं । जहां बोलने की जरूरत हैं वहां मौन धारण कर लेना बुद्धिमानी नहीं हैं । व्यक्ति जो बोल रहा हैं, महत्व उसका नहीं हैं। वह क्या बोल रहा हैं, महत्व इस बात का हैं । यदि वह कोई ज्ञान की बात बोलता है तो दस घंटा भी बोलें तो वह उसका मौन कहा जाएगा । वह उसकी वचनगुप्ति होगी । दूसरी और दस- बीस मिनट भी बोला , किंतु सार्थक नहीं बोला , उपयोगी नहीं बोला तो यह उसकी वचालता ही कही जाएगी । हमारी सारी प्रवृति वाणी पर टिकी है ।

› **प्रदीप छाजेड़**

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

> आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है।

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है।

भगवान महावीर का संदेश-"मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ"-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा।

– ललित गर्ग

हिंदी का विरोध ...

सीताराम गुप्ता

हिंदी का विकास : दूसरों का विरोध नहीं, अपना लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए

पिछले दिनों कुछ समाचार पत्रों में एक समाचार देखने में आया कि शिवपुरी के एक मिशनरी स्कूल में पढ़ने वाले चौथी कक्षा के बच्चों को कक्षा में आपस में हिंदी में बातचीत करने पर सज़ा दी गई। अंग्रेज़ी माध्यम के प्रायः सभी पब्लिक स्कूलों में विद्यालय परिसर अथवा कक्षाओं में छात्रों के आपस में हिंदी में बातचीत करने को हतोत्साह किया जाता है। इसके लिए कई बार सज़ा भी दी जाती है। शिवपुरी के मिशनरी स्कूल में भी बच्चों को कक्षा में आपस में हिंदी में बातचीत करने पर सज़ा के तौर पर आठ पेज ''आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी'' लिखने की सजा दी गई। इस प्रकार का प्रयास सार्थक अथवा उचित नहीं कहा जा सकता। यह व्यावहारिक ही नहीं है। ''आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी'' ये लिखवाना ही मूर्खतापूर्ण है क्योंकि इसमें स्पष्ट रूप से हिंदी का विरोध तो झलकता है लेकिन अंग्रेज़ी का पक्ष बिलकुल नदारद है।

हिंदी का विरोध करने या उसके प्रयोग को हतोत्साह करने से अंग्रेज़ी या अन्य कोई भी भाषा अच्छी तरह से नहीं आ सकती। वास्तव में हमारी अपनी भाषा अथवा मातृभाषा जितनी अच्छी होगी, उतनी ही अच्छी तरह से हम दूसरी भाषाएँ अथवा अन्य विषय पढ़ सकते हैं। यदि हमारा माध्यम अंग्रेज़ी है तो हमें अच्छी अंग्रेज़ी भी आनी चाहिए। हम अंग्रेज़ी अच्छी तरह से सीखें और अच्छी

अंग्रेज़ी बोलें इसमें कोई बुराई नहीं लेकिन अच्छी अंग्रेज़ी बोलने के लिए अंग्रेज़ी का अभ्यास अनिवार्य है न कि हिंदी का विरोध। इसी प्रकार से अच्छी हिंदी बोलने के लिए हिंदी का अभ्यास अनिवार्य है न कि अंग्रेज़ी का विरोध। यदि हम आई विल नॉट स्पीक इन हिंदी कहते हैं तो इस वाक्य में अंग्रेज़ी के लिए तो हमने कुछ कहा ही नहीं। हमने तो सारा ध्यान हिंदी पर ही केंद्रित कर दिया। वास्तव में हमारा सारा ध्यान तो जो हमें सीखना है अथवा पाना है केवल उस पर केंद्रित होना चाहिए। आकर्षण के नियम के अनुसार हमें जो चीज़ें पानी हैं अथवा जो चीज़ें सीखनी हैं केवल उन पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य होता है। जिस चीज़ से बचना हो उससे ध्यान हटाने के लिए उसी का नाम दोहराना पूरी तरह से ग़लत है। भाषाओं के संदर्भ में भी ये नियम उसी तरह से काम करता है। भारत के दक्षिणी राज्यों में कई बार हिंदी का प्रचंड विरोध होता है जिसके कारण वे लोग हिंदी नहीं सीख पाते लेकिन इससे हिंदी का कोई नुकसान नहीं होता। उनके विरोध के बावजूद हिंदी उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है। वास्तव में नुकसान हिंदी का विरोध करने वालों का होता है। उनको हिंदी सीखने से जो सुविधा मिलती उससे वे वंचित रह जाते हैं। जिस प्रकार भारत के कुछ दक्षिणी राज्यों में कई बार हिंदी का विरोध होता है उसी प्रकार से हम हिंदी वाले भी कई बार अंग्रेज़ी का खूब विरोध करते हैं। क्या इससे अंग्रेज़ी को कोई क्षति पहुँचती है? बिलकुल नहीं। यदि इससे नुकसान होता है तो हमारा हिंदीवालों का ही होता है। अंग्रेज़ी अथवा अन्य किसी भाषा का विरोध करने से हमारी हिंदी थोड़े ही सुधर जाएगी? यदि हमें हिंदी में सुधार करना है अथवा अच्छी हिंदी सीखनी है तो हमें अपना सारा ध्यान हिंदी पर केंद्रित करना चाहिए। मैं अंग्रेज़ी नहीं बोलता कहने की बजाय ये कहना चाहिए और बार-बार कहना चाहिए कि मेरी हिंदी बहुत अच्छी है। मैं हिंदी बोलता हूँ और हिंदी में अपना सारा कार्य करता हूँ। मुझे हिंदी से प्रेम है। आई लव हिंदी कह देंगे तो भी नुकसान नहीं लाभ ही होगा। जहाँ तक अंग्रेज़ी के विरोध का प्रश्न है वह भी सरासर गलत है। मेरे विचार से हिंदी भाषा के विकास में अंग्रेज़ी बाधक नहीं। यदि हमें अंग्रेज़ी अथवा दूसरी भाषाएँ अच्छी तरह से आती हैं तो उससे हमारे हिंदी के स्तर में भी सुधार ही होगा। हिंदी वालों की स्थिति ये है कि अधितर हिंदीभाषी अंग्रेज़ी अच्छी तरह जानते हुए भी अंग्रेज़ी बोल नहीं पाते। इसका एक ही कारण है अंग्रेज़ी का विरोध व उसमें कमियाँ निकालना। हम जिस चीज़ में कमियाँ निकालेंगे उसे मन से स्वीकार भी नहीं कर पाएँगे। ऐसे में अंग्रेज़ी भाषा को ठीक से समझना व बोलना कैसे संभव होगा?

यदि अच्छी हिंदी सीखनी है अथवा हिंदी के प्रयोग अथवा हिंदी में काम-काज को प्रोत्साहित करना है तो अंग्रेज़ी अथवा दूसरी भाषाओं का विरोध करना छोड़कर अपना सारा ध्यान हिंदी पर केंद्रित करना ही श्रेयस्कर होगा क्योंकि अन्य कोई उपाय है ही नहीं। यदि हम प्रयास करके अपना सारा ध्यान किसी बात पर लगा देते हैं तो उसमें सफलता असंदिग्ध हो जाती है। आज हम केवल भाषाओं की ही बात करेंगे।

यानी ट्रंप के...

राम स्वरूप रावतसरे

ब्रिक्स समिट - अमेरिका के दबदबे पर भारत का कूटनीतिक प्रहार

दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाली ब्रिक्स समिट पर पूरी दुनिया की नजर है। लेकिन सबसे ज्यादा नजर अगर किसी की है तो वो है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की। वजह साफ है ब्रिक्स का बढ़ता दायरा, डॉलर से दूरी की कोशिश और भारत की मेजबानी में रूस, चीन और ईरान जैसे देशों का एक मंच पर आना। ट्रंप पहले ही ब्रिक्स को लेकर कई बार नाराजगी जता चुके हैं। ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ की धमकी दे चुके हैं। तो अब सवाल है कि आखिर ब्रिक्स से डोनाल्ड ट्रंप को क्या खतरा दिखता है? और भारत में होने वाले इस सम्मेलन का अमेरिका पर क्या असर हो सकता है? जानकारों के अनुसार ब्रिक्स अब सिर्फ ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका तक सीमित नहीं है। ईरान समेत कई नए देश इसका हिस्सा बन चुके हैं। यानी एक ऐसा मंच, जिसकी आर्थिक और राजनीतिक पहुंच लगातार बढ़ रही है और यही विस्तार अमेरिका के लिए चिंता का कारण है, खासकर इसलिए क्योंकि ब्रिक्स के भीतर कुछ देश दुनिया की मौजूदा आर्थिक व्यवस्था में बदलाव की बात कर रहे हैं। मसलन- अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने, स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने और अल्टरनेटिव पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने की। हालांकि भारत की लाइन काफी साफ है। ब्रिक्स किसी एंटी-यूएस या एंटी-वेस्ट गठजोड़ के तौर पर नहीं, बल्कि ग्लोबल साउथ की आवाज और प्रैक्टिकल इकनॉमिक कोऑपरेशन के मंच के तौर पर काम करे। यही संतुलन इस सम्मेलन को और महत्वपूर्ण बनाता है। डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को लेकर अपनी नाराजगी छिपाते नहीं रहे हैं। नवंबर 2024 में ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ब्रिक्स देश डॉलर को हटाने के लिए नई करेंसी बनाते हैं या किसी दूसरी करेंसी का समर्थन करते हैं, तो अमेरिका 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। जनवरी 2025 में ट्रंप ने फिर यही धमकी दोहराई। और फरवरी 2025 में उन्होंने साफ कहा कि अगर ब्रिक्स देश डॉलर के साथ 'खेलने' की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद जुलाई 2025 में ट्रंप ने ब्रिक्स की कथित एंटी अमेरिकन पॉलिसी के साथ जुड़ने वाले देशों पर अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ की भी चेतावनी दी, यानी ट्रंप के लिए ब्रिक्स का मुद्दा सिर्फ व्यापार का नहीं है, ये अमेरिकन इकनॉमिक पावर और डॉलर डोमिनेंस का भी सवाल है। हालांकि, ब्रिक्स के पास अभी कोई साझा करेंसी नहीं है और भारत ने भी ब्रिक्स की तरफ से डॉलर को बदलने वाली साझा करेंसी की वकालत नहीं की है। भारत का जोर ज्यादा प्रैक्टिकल विकल्पों पर रहा है। जैसे द्विपक्षीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्रा और बेहतर डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी। अब सवाल है कि आखिर डॉलर को ब्रिक्स से खतरा क्यों माना जा रहा है? आज भी डॉलर वैश्विक व्यापार और फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व में सबसे मज़बूत करेंसी है लेकिन ब्रिक्स का आर्थिक वज़न बढ़ रहा है। इसके कई सदस्य सेंक्शंस और जियोपॉलिटिकल दबाव के बीच डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। जानकारों के अनुसार रूस का लक्ष्य डी डॉलराइजेशन नहीं है। रूस सिर्फ अलग -अलग एक्स्पेटेबल पेमेंट मेथड के लिए खुलापन चाहता है, यानी ब्रिक्स में डॉलर को तुरंत खत्म करने की कोई एकजुट योजना नहीं है और इसी बीच दिल्ली में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की मौजूदगी भी बेहद अहम होगी।

जरा हटके

राजनीति में यह ...

डॉ0 मत्स्येन्द्र प्रभाकर

लोकतंत्र के 'फूफा'

'नाराज फूफा' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गढ़ा गया एक व्यंग्यात्मक शब्द है, जिसका इस्तेमाल वे उन लोगों—खासकर विपक्ष—के लिए कर रहे हैं, जो हर नयी विकास परियोजना या सरकारी कदम पर सवाल उठाते हैं और ₹यह क्यों चाहिए?₹ जैसे सवाल करते हैं। इससे यह बहस चल पड़ी हैं कि क्या यह विकास की रफ़्तार पर सवाल है या सियासी तंज; प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में 5 सितम्बर को दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) के शताब्दी समारोह में उन आलोचकों को ₹नाराज फूफा₹ कहा जो हर काम शुरू होते ही विरोध करते हैं। उनका कहना था—जब भी कोई नया काम शुरू होता है, कुछ लोग ₹फूफा₹ बनकर सवाल करने लगते हैं। यह शब्द राजनीति में नया है पर सामाजिक जीवन में ₹फूफा₹ बहुत पुराना चेहरा है। हर परिवार में एक ऐसे फूफा होते हैं, जो हर खुशी में कुछ कमी ढूँढ लेते हैं। हर उपलब्धि में सन्देह करते हैं। हर फैसले पर पर क्यों?₹पूछते हैं।

प्रधानमंत्री का मानना हैं कि लोकतंत्र में भी ऐसे ही ₹फूफा₹ होते हैं जिनके पास नाराज़ होने का बहुत स्पष्ट कारण नहीं होता। फिर भी कारणों की कमी नहीं पड़ती। सब कुछ ठीक होने में भी उन्हें गड़बड़ी की गन्ध आती है। ये ₹आपत्ति मंत्रालय के अनन्य पदाधिकारी₹ होते हैं। आयोजनों में होंठ सिकोड़कर चाय पीते रहते हैं।

पर ₹क्या लोकतंत्र को ऐसे फूफा से छुटकारा चाहिए?₹ जवाब हैं ₹नहीं।₹ लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि 'फूफा' मौजूद रहे। कभी-कभी परेशान करे। कभी बिला वजह। कभी पूर्वाग्रह से। कभी सचमुच जरूरी सवाल के साथ। उसकी मौजूदगी

असुविधाजनक है लेकिन अनुपस्थिति भी खलती है। इसलिए फूफा से छुटकारा लोकतंत्र का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में फूफा का होना शुभ संकेत है।

राजनीति में यह श्रेणी बहुत बड़ी है। सिर्फ भाजपा में नहीं, हर दल में। कांग्रेस का अपना फूफा है। समाजवादी पार्टी का अपना। क्षेत्रीय दलों के अपने-अपने फूफा हैं। फूफा की सिर्फ अपेक्षाएँ होती हैं। भले ही तर्कसंगत न हों। इसलिए उसकी नाराज़गी भी अजीब होती है।

यही फर्क है नाराज़गी और विद्रोह के बीच की पूरी राजनीति में। यह फूफा का पुराना कौशल है—नाराज़ और निष्ठावान एक साथ हो जाना।

सामाजिक जीवन में फूफा की भूमिका और गहरी होती है। वह परिवार का हिस्सा है। रिश्तेदार है। उसकी आलोचना में ममता भी होती है। चिन्ता भी। वह इसलिए नाराज़ होता है क्योंकि उसे लगता है कि सब कुछ सही नहीं हो रहा। शायद वह अपने तरीके से सही सलाह दे रहा हो। भारतीय परिवारों में फूफा जी का स्थान सबसे निराला होता है। वे केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था होते हैं। बेहतरीन विशेषण में इन्हे ₹रिश्तेदारी के स्थायी विपक्ष₹ से विभूषित किया जा सकता हैं! कभी किसी बात पर ये पक्ष में हों यह लगभग असम्भव हैं!

भारतीय संस्कृति में फूफा को अक्सर परिवार का वह सदस्य माना जाता है, जो हर व्यवस्था पर पैनी नजर रखता है। उनकी सन्तुष्टि ही समारोह की सफलता का पैमाना होती है। उत्तर भारत में एक मशहूर कहावत है—अगर शादी में फूफा जी न रूठें, तो वह शादी अधूरी मानी जाती है।

फूफा कोई साधारण व्यक्ति नहीं होते। वे रिश्तेदारी के स्थायी विपक्ष हैं। सरकार कोई भी हो, सत्ता किसी की भी हो, फूफा असन्तुष्ट रहते हैं। उनका असन्तोष ही उनकी पहचान है। वह खुश हो जाएँ तो परिवार को चिन्ता होने लगती है कि कहीं कुछ गलत तो नहीं हो गया।

लोकतंत्र का फूफा भी यही करता है। वह सवाल पूछता है। आलोचना करता है। कभी-कभी उसका सवाल बेबुनियाद होता है। कभी-कभी जरूरी। लोकतंत्र को दोनों की जरूरत है—सवाल करने वाले और जवाब देने वाले।

फूफा की नाराज़गी को समझना जरूरी है। उसे दबाना नहीं। उसे सुनना चाहिए। फिर तय करना चाहिए कि कौन सा सवाल जायज है और कौन सा नहीं। लोकतंत्र में हर आवाज को जगह मिलनी चाहिए। चाहे वह फूफा की हो या युवा की।

मोदी का नाराज फूफाशब्द राजनीतिक तंज है पर इसके पीछे एक गहरा सामाजिक सच भी है। हर समाज में ऐसे लोग होते हैं जो बदलाव से डरते हैं। नयी बात से असहज होते हैं। उन्हें लगता है कि पुराना तरीका बेहतर था।

लोकतंत्र को ऐसे फूफा को भी साथ लेकर चलना होता है। उसे नजरअन्दाज नहीं करना चाहिए। उसे समझाना चाहिए। उसे भरोसा दिलाना चाहिए कि बदलाव जरूरी है। विकास जरूरी है।

फूफा की नाराज़गी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उसे गम्भीरता से सुनना चाहिए। क्योंकि कभी-कभी वही सच बोल रहा होता है। कभी-कभी वही गलतफहमी में होता है। लोकतंत्र का काम है दोनों को पहचानना।

लोकतंत्र के फूफा को समझना, उसे सुनना और उसे जवाब देना—यही लोकतांत्रिक संवाद की असली परीक्षा है।

सूची में एमपी रविकिशन समेत 17 बड़े नाम, 4 बार के विधायक को जगह नहीं

महानगर कार्यसमिति के सदस्य बने सीएम योगी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। भाजपा गोरखपुर महानगर की कार्यसमिति का विस्तार किया गया है। महानगर अध्यक्ष की ओर से जारी सूची में 17 विशेष आमंत्रित सदस्यों को शामिल किया गया है। सूची में पहला नाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। सांसद रविकिशन शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव समेत कई प्रमुख नेताओं को भी जगह दी गई है।

एक भाजपा नेता ने बताया कि कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शहर के महत्वपूर्ण लोगों को शामिल किया जाता है। इसी क्रम में यह सूची जारी की गई है। मुख्यमंत्री गोरखपुर महानगर के ही निवासी हैं और गोरखपुर शहर से विधायक भी हैं। पार्टी के तीनों प्रदेश उपाध्यक्ष भी इसमें शामिल किए गए हैं। क्षेत्रीय टीम के दो महामंत्री भी शहर के रहने वाले हैं लेकिन उन्हें विशेष आमंत्रित सदस्य नहीं बनाया गया है। राज्यसभा सदस्य डा. राधामोहन दास अग्रवाल को उनके घर के पास से शुरू होने वाले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह में भी नहीं आमंत्रित किया गया था। पार्टी न ही प्रशासन ने उन्हें कोई निमंत्रण भेजा था। इसपर उन्होंने अपना दुख भी व्यक्त किया था। उस समय डा. अग्रवाल भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव भी थे।

भाजपा महानगर की ओर से कार्यसमिति में 17 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं।

गोरखपुर शहर से चार बार विधायक रहे और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल का नाम सूची में नहीं है। वह भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं। सूची में उनका नाम नहीं होने से पार्टी के भीतर इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में ये 17 नाम शामिल

विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा सांसद रविकिशन शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा रमेश सिंह, पूर्व महापौर डॉ. सत्या पांडेय, अंजू चौधरी, सीताराम जायसवाल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पूर्व एमएलसी एवं पूर्व राष्ट्रीय सचिव विनोद पांडेय, पूर्व उपसभापति एवं पार्षद मनु जायसवाल, पवन त्रिपाठी, ऋषि मोहन, व्यापारी नेता विशाल गुप्ता और वरिष्ठ भाजपा नेता देश बंधु शुक्ला को भी विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में गणेश महोत्सव का आगाज

लखनऊ । मोहन रोड स्थित ऐतिहासिक बुद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को पंच दिवसीय 11वें भव्य श्री गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में पावन ध्वजा पूजन का कार्यक्रम विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। 'श्री बुद्धेश्वर महादेव श्रृंगार समूह' के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में वैदिक आचार्यों ने गणपति महोत्सव के निर्विघ्न और सफल आयोजन के लिए स्वस्तिवाचन पाठ के साथ धर्म ध्वज का पूजन कर उसे मंदिर प्रांगण में स्थापित किया। इस दौरान पूरा परिसर 'गणपति बप्पा मोरया' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। 11वें वर्ष में प्रवेश कर रहा पंच दिवसीय महोत्सव आयोजक मंडल के प्रमुख आदेश शुक्ला ने बताया कि विगत 10 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार 11वें वर्ष में भी पंच दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का आयोजन बेहद भव्य और व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।

पति से विवाद के बाद नहर में कूदी महिला लखनऊ पुलिस ने साड़ी के सहारे बचाया

- साड़ी के सहारे महिला को बाहर निकाला
- पति की तलाश में जुटी पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के कृष्णानगर में पति से विवाद के बाद एक महिला ने नहर में छलांग लगा दी। महिला को डूबता देखकर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी तुरंत नहर की ओर दौड़े। पुलिस ने राहगीरों की मदद से साड़ी के सहारे महिला को नहर से बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। महिला की हालत खतरे से बाहर है।

घटना 10 सितंबर की रात करीब 10 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, कासिमपुर पकरी आजाद नगर निवासी गुड़िया का पति सतीश लोधी से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने नहर में छलांग लगा दी।

उस समय उपनिरीक्षक गौरव कुमार सिंह और कांस्टेबल महताब पकरी पुलिया पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। महिला को नहर में डूबता देखकर दोनों मौके पर पहुंचे और राहगीरों की मदद से उसे बाहर निकाला। नहर के पास शोरगुल सुनकर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। महिला को नहर में डूबता देखकर उन्होंने आसपास मौजूद लोगों की मदद ली। एक महिला की साड़ी की मदद से नहर में फंसी गुड़िया को बाहर निकाला गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद लोकबंधु अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार गुड़िया की हालत अब खतरे से बाहर है। घटना के बाद मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस महिला के पति सतीश लोधी की तलाश कर रही है।

फास्ट न्यूज

नवजात की मौत पर सरकार को जांच का आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक नवजात की मौत के मामले में सुनवाई हुई। यह मामला सुल्तानपुर के राजकीय स्वायत्त मेडिकल कॉलेज से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव, केजीएमयू के कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक और एसजीपीजीआई के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए कोर्ट में मौजूद रहे।

लखनऊ में दो युवकों को नंगा करके पीटा

लखनऊ । लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र के अंबरगंज में चोरी के शक में दो युवकों को नंगा करके डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों युवक मंगलवार रात करीब 3 बजे एक निर्माणाधीन घर में चोरी करने घुसे थे। आहट होने पर वहां सो रहे मजदूरों और मिस्त्री ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें बालागंज पुलिस चौकी ले जाया गया। वहां कार्रवाई नहीं हुई तो दोनों युवकों को वापस निर्माणाधीन इमारत में लाया गया। इसके बाद दोनों की डंडे से पिटाई की गई।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई।

नेहा खरे बनीं कायस्थ महासभा की प्रदेश महासचिव

लखनऊ । लखनऊ की प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और 'प्रगति विचारधारा फाउंडेशन' की अध्यक्ष नेहा खरे को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा में एक महत्वपूर्ण सांगठनिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव ने उनके सामाजिक योगदान और सक्रियता को देखते हुए उन्हें प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है।

क्राइम ब्रांच अधिकारी बन छात्र छात्रा को लूटा, दो गिरफ्तार

मोबाइल छीनकर 14 हजार ट्रांसफर कराए थे, लूट में इस्तेमाल बाइक बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर नहर किनारे बैठे छात्र-छात्रा को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर डराने-धमकाने और मोबाइल लूटने वाले दो आरोपियों को काकोरी पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने मोबाइल का लॉक खुलवाकर यूपीआई पासकोड हासिल करने के बाद स्कैनर के जरिए 14 हजार रुपए भी ट्रांसफर करा लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए दोनों मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की है।

इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर के मुताबिक गोमतीनगर के निजामपुर मल्लौर निवासी मुदित यादव और उसकी महिला मित्र विश्वविद्यालय में छात्र हैं। दोनों 25 जुलाई की शाम

करीब सात बजे बाइक से घूमते हुए कठिंगरा गांव के पास आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर नहर किनारे रुके थे। आरोप है कि इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और खुद को क्राइम ब्रांच का कर्मचारी बताया। आरोपियों ने छात्र-छात्रा पर आपत्तिजनक गतिविधि में शामिल होने का आरोप लगाकर उन्हें डराना-धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए। विरोध करने पर मुदित के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने दोनों मोबाइल का लॉक खुलवाया और यूपीआई का पासकोड हासिल कर लिया। इसके बाद अपने स्कैनर पर 14 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित के मुताबिक स्कैनर पर जीशान नाम प्रदर्शित हो रहा था। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने बारकोड और सर्विलांस की मदद से किसान पथ स्थित बबूरिया खेड़ा अंडरपास के पास से हरदोई के संडीला निवासी जीशान (23) और उन्नाव के आसीवन निवासी सहवान उर्फ शाबान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी किराये पर रिक्शा चलाते हैं।

पुलिस घसीट ले गई, विनोद सहनी की हत्या पर गुस्साए, पीडीए को दबाने का आरोप

सपाइयों का फैंटा की बोतल के साथ प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। गोंडा के विनोद सहनी की हत्या के विरोध में सपा कार्यकर्ता हजरतगंज चौराहे पर इकट्ठा हो गए। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटकर ले गई और बस में बैठाकर इको गोर्डन भेज दिया। प्रदर्शनकारी हाथों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर और फैंटा की बोतल लेकर पहुंचे थे। विनोद सहनी की हत्या के यूपी में लचर कानून

व्यवस्था से जोड़ा। सपा कार्यकर्ताओं का आरोप था कि सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विनोद सहनी की हत्या की गई। उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े निषाद समाज के युवक की हत्या हो जाती है, लेकिन सरकार और पुलिस की ओर से उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। सत्ता में बैठे हुए संजय निषाद सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं मगर अपने समाज को न्याय नहीं दिलवा पा रहे हैं। प्रदर्शनकारी विधानसभा कि पर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। लगभग 40 मिनट तक पुलिस को प्रदर्शनकारियों के साथ संघर्ष करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के हाथ से फैंटा की बोतल भी पुलिस ने छीन ली। प्रदर्शन के चलते कुछ देर के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई चौराहे पर जाम लगा। प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया गया।

'पीडीए समाज को दबाने की कोशिश'

प्रदर्शन कर रहे राज साहनी ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। लॉ एंड ऑर्डर जीरो है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा सरकार PDA को रौंदना चाहती है। समाज के युवाओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन सरकार खामोश है। समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक PDA की लड़ाई लड़ रही है।

यूपी में 11 आईएएस-पीसीएस के ट्रांसफर

बहराइच-जालौन के डीएम बदले आईटी डिपार्टमेंट के विशेष सचिव समीर को जिला मिला, पंकज वर्मा बाराबंकी सीडीओ बने

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने गुरुवार रात करीब 10:30 बजे 5 IAS और 6 PCS अफसरों के तबादले कर दिए। बहराइच और जालौन में नए जिलाधिकारी बनाए गए हैं। IAS राजेश कुमार पांडेय को अब बहराइच का डीएम बनाया गया है। वे अभी तक जालौन के डीएम थे। राजेश पांडेय ने बहराइच में 2014 बैच के IAS अक्षय त्रिपाठी की जगह ली है। अक्षय को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुए ओराम का निजी सचिव बनाया गया है। इस नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 8 अगस्त को मंजूरी दी थी। तब से कयास लगाए जा रहे थे कि बहराइच में नए डीएम की तैनाती होगी।

बाराबंकी के CDO रहे बी सूदन का झांसी ट्रांसफर

झांसी नगर निगम की आयुक्त

आकांक्षा राणा का ट्रांसफर आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग में विशेष सचिव के पद पर किया है। बाराबंकी के मुख्य विकास अधिकारी बी सूदन का ट्रांसफर झांसी नगर निगम के आयुक्त पद पर किया गया है।

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पंकज वर्मा का ट्रांसफर बाराबंकी में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर किया है

लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव बने सुशील सिंह

यूपी सरकार ने प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (PCS) के 6 अधिकारियों के तबादले किए हैं। भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कुल सचिव और संस्कृति निदेशालय के अपर निदेशक सुशील प्रताप सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) का सचिव बनाया गया है। वहीं, LDA के संयुक्त सचिव अतुल कुमार को भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का नया कुल सचिव और संस्कृति निदेशालय का अपर निदेशक बनाया गया है।

अन्य प्रमुख बदलाव

बदायूं के उपजिलाधिकारी राजेश कुमार सिंह को कानपुर नगर का नया अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) नियुक्त किया गया है।

गोंडा के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार सिंह को उपनिदेशक (प्रशासन), युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के पद पर तैनात किया गया है।

झांसी के नगर मजिस्ट्रेट प्रमोद झा को गोंडा का नया अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है।

कुशीनगर के उपजिलाधिकारी योगेश्वर सिंह को स्थानांतरित कर झांसी का नया नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

वहीं, आईएएस समीर को जालौन का जिलाधिकारी बनाया गया है। वे 4 मई, 2026 से आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के विशेष सचिव और यूपीडेस्को के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे।

कार सीख रही महिला ने मारी टक्कर, मौत

आईआईएम रोड पर इवनिंग वॉक पर निकली थी महिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव स्थित एल्डिको सिटी में 10 सितंबर की शाम हादसा हुआ। कार सीख रही महिला ने इवनिंग वॉक कर रही कुसुम चौहान को टक्कर मार दी। कुसुम गंभीर घायल हो गईं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चला रही महिला फरार हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एल्डिको सिटी की रहने वाली कुसुम चौहान रोज की तरह 10 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे इवनिंग वॉक के लिए निकली थीं। इसी दौरान कार चलाना सीख रही मनीषा ने अपना नियंत्रण खो दिया और कुसुम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कुसुम को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुसुम के शरीर की छह हड्डियां टूटने की पुष्टि हुई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उन्हें कई गंभीर चोटें आई थीं।

कुसुम के पति दिनेश चौहान भारतीय वायुसेना में सार्जेंट पद से रिटायर्ड हैं। वर्तमान में वह बीकेटी इंटर कॉलेज में शिक्षक हैं। परिवार में बेटा दीपेश चौहान और बेटी दीप्ति चौहान हैं। कुसुम की मौत से परिवार में मातम है।

मांग : 5 डे वर्किंग समेत मांगों को लेकर प्रदर्शन, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

समेत देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ समेत देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के आह्वान पर SBI, PNB, इंडियन बैंक समेत प्रमुख बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी कामकाज से दूर हैं। लखनऊ में हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक के बाहर कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग हफ्ते में 5 दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करना है।

यूनियन का दावा है कि करीब 99% कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हैं। इससे बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित है। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, UPI और ATM जैसी सेवाएं जारी हैं। बैंक यूनियनों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की हड़ताल होगी। इसके बाद 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। यूनियन का कहना है कि आज की हड़ताल में बैंक कर्मचारी, अधिकारी और विभिन्न राज्य संगठनों के सदस्य शामिल हैं। यूनियन ने दावा किया कि करीब 99% कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हैं। इससे देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

5 डे वर्किंग पर 2 साल पहले बनी थी सहमति

UFBU के प्रदेश अध्यक्ष एसके संतानी ने कहा कि 5 डे वर्किंग को लेकर सरकार और बैंक कर्मचारियों के बीच करीब दो साल पहले सहमति बनी थी। इसके बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि RBI और LIC समेत कई सरकारी संस्थानों में पांच दिन काम की व्यवस्था लागू है। बैंक कर्मचारियों को अभी भी छह दिन काम करना पड़ रहा है। यूनियन की मांग है कि पहले से तय 5 डे वर्किंग को जल्द लागू किया जाए।

पीएलआई में भेदभाव का आरोप

बैंक यूनियन की दूसरी प्रमुख मांग प्रोडक्टिविटी लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) को लेकर है। एसके संतानी ने आरोप लगाया कि PLI में मनमानी और भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी इसे स्वीकार नहीं करेंगे। यूनियन की मांग है कि UFBU के साथ बातचीत कर सभी बैंक कर्मचारियों के लिए एक समान कॉमन PLI तय किया जाए।यूनियन ने द्विपक्षीय समझौते से जुड़े लंबित रीजनल मुद्दों को भी जल्द सुलझाने की मांग की है। एसके संतानी ने कहा कि इन मुद्दों पर लगातार बातचीत हो रही है, लेकिन अब तक समाधान नहीं निकला है। एसके संतानी ने कहा कि अगर तीनों मांगों पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो सितंबर में तीन दिन की हड़ताल की जाएगी।

एलयू हॉस्टल मारपीट मामले में पांच छात्र निलंबित

मेस में खाने को लेकर हुआ था बवाल, हॉस्टल आवंटन रद्द, कैंपस एंट्री बैन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सुभाष छात्रावास में 31 अगस्त को हुए विवाद के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने पांच छात्रों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान छात्रों के हॉस्टल कमरों का आवंटन भी रद्द रहेगा और विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस में एंट्री बैन रहेगी। मामला मेस में खाने को लेकर मारपीट से जुड़ा है। विवाद के बाद हसनगंज थाने में पांच छात्रों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। विश्वविद्यालय की जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। निलंबित छात्रों में एमए हिंदी सेकेंड ईयर के

ऋषु जायसवाल, सत्यम प्रताप सिंह, अंसित सिंह, सुनील कुमार सिंह और विवेक पांडेय शामिल हैं। निलंबन अवधि में इन्हें छात्रावास की सभी सुविधाओं से भी वंचित रखा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित छात्रों को आदेश मिलने के तीन कार्य दिवस के भीतर कुलानुशासक कार्यालय में लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। जवाब नहीं देने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामले में एमए हिंदी द्वितीय वर्ष के छात्र शिवाजी यादव का पहले जारी निलंबन आदेश भी प्रभावी रहेगा। विश्वविद्यालय ने उसे इस घटना में भी निलंबित माना है।

1000 की भीड़, मंत्री निषाद गोंडा एसपी पर भड़के, कहा- इतनी फोर्स क्यों लगाई

विनोद साहनी हत्याकांड: परिजन सड़क पर शव रखकर बैठे

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा । गोंडा में कारोबारी विनोद कुमार साहनी (45) की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार दोपहर से परिजन शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। 1000 से ज्यादा लोग मौके पर जुटे हैं। डीएम-एसपी के मनाने पर परिवार वालों ने मंत्री संजय निषाद के आने की बात कही। मंत्री के पहुंचने पर डीएम ने उनके सामने परिवार की सारी मांगों को पूरा करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद परिजन शव के अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।इससे पहले सर्किट हाउस के बाहर भारी फोर्स देखकर संजय निषाद SP अभिषेक झा पर भड़क गए। स्वागत के लिए बुके लेकर पहुंचे SP को फटकार लगाई। कहा- इतनी फोर्स क्यों लगाई है? सरकार की छवि क्यों खराब कर रहे हो? जहां फोर्स लगानी चाहिए, वहां नहीं लगाई। इसके बाद संजय निषाद सर्किट हाउस से कलेक्ट्रेट तक 1 किमी कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चले। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठ गए। डीएम प्रियंका निरंजन ने सड़क पर बैठकर उनकी बातें सुनीं।

कारोबारी की हत्या मामले में पुलिस अब तक 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एसपी ने लापरवाही बरतने पर परसपुर थाना प्रभारी कमल शंकर चतुर्वेदी, चौकी प्रभारी अंकित सिंह और सिपाही अभिमन्यु भारती को सस्पेंड कर दिया है।

डीएम ने कारोबारी के परिवारवालों को लिखित में दिया आश्वासन

गोंडा की डीएम प्रियंका रंजन ने मंत्री संजय निषाद के सामने ही कारोबारी विनोद साहनी के परिवारवालों को लिखकर आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हम आपकी सभी मांगों को पूरा करने का भरोसा देते हैं। इसके बाद कारोबारी के परिवार वाले शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हुए।

हत्याकांड में चौकी प्रभारी समेत तीन सस्पेंड

कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड में एसपी ने तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें परसपुर थाना प्रभारी कमल शंकर चतुर्वेदी, शाहपुर चौकी प्रभारी अंकित सिंह और बीट सिपाही अभिमन्यु भारती शामिल हैं।

संजय निषाद ने तीन मांगें रखीं। पहली- हत्यारों को गिरफ्तार किया जाए, जरूरत पड़े तो एनकाउंटर किया जाए। दूसरी- आरोपियों पर NSA लगाया जाए। तीसरी- पीड़ित परिवार को मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

> **मंत्री संजय निषाद ने विनोद साहनी के परिवार से डीएम-एसपी के सामने बात की। मंत्री ने कहा- समाज ने हमारे ऊपर भरोसा किया, हमें वकील बनाया। मेरा काम है वकालत करके उनको न्याय दिलाना।**

सपा के पिछड़ा वर्ग प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेता हिरासत में

सपा पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप, गोंडा सपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन, पूर्व सपा विधायक बैजनाथ, पूर्व सपा प्रत्याशी सूरज सिंह, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सपा सरकार संजय विद्यार्थी, मुलायम सिंह यादव यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, सपा छात्र सभा जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, सपा व्यापार सभा जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह समेत दर्जनों सपाइयों को हिरासत में लिया है।

सरकारी बैंकों की हड़ताल से कामकाज ठप

गाजीपुर में 300 करोड़ का लेनदेन रुका

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में शुक्रवार को सरकारी बैंकों में कामकाज ठप रहा। पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत कई मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल की। जिले के 12 सरकारी बैंकों की करीब 250 शाखाओं और लगभग 300 एटीएम पर बैंकिंग सेवाएं बंद रहीं।

बैंक कर्मचारी संगठनों के मुताबिक, एक दिन में करीब 300 करोड़ रुपए का लेनदेन रुक गया। इसके अलावा, करीब 200 करोड़ रुपए की क्लियरिंग भी नहीं हो पाई। हड़ताल के चलते सबसे ज्यादा दिक्कत नकदी के लेनदेन, चेक भुगतान और बैंकिंग पर निर्भर व्यापारियों को हुई।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बुलावे पर कर्मचारियों ने जिले के सभी 12 सरकारी बैंकों की मुख्य शाखाओं

और प्रमुख कार्यालयों पर प्रदर्शन किया। यूनियन बैंक के महुआबाग और प्रकाशनगर स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों पर भी कर्मचारियों ने धरना दिया और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने 5-डे बैंकिंग लागू करने, PLI में कथित भेदभाव खत्म करने और कर्मचारियों की समस्याओं पर यूनियनों के साथ बातचीत की मांग की।

विशेश्वरगंज स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा पर हड़ताल का अलग नजारा दिखा। दोपहर करीब 12 बजे मुख्य गेट पर ताला लगा था और बाहर हड़ताल का बैनर लगा था।

फास्ट न्यूज

फतेहाबाद में हरियाली तीज उत्सव

आगरा । आगरा में फतेहाबाद महिला मंडल की ओर से हरियाली तीज का उत्सव पूनम अरुण दोनेरिया के आवास पर केंद्रीय संयोजिका रेनू संजय अनवारिया की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना एवं संकल्प गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष बबीता रवि शल्या, केंद्रीय रक्तदान संयोजिका शिवानी, भजन मंडली की बहनों सहित महिला मंडल की सदस्याएं मौजूद रहीं।

कानपुर में रोजगार मेले का आयोजन

कानपुर। कानपुर में छात्राओं को रोजगार के विविध अवसरों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत शुक्रवार को एसएन सेन बीवीपीजी कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय, कानपुर एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने भाग लेकर महिला अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। रोजगार मेले में 12 से अधिक कंपनियों ने कुल 802 रिक्तियों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया।

सोने की चेन उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

आगरा। आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र में सब्जी लेने आए एक व्यक्ति से खुद को रिश्तेदार बताकर सोने की चेन ठगने वाले शातिर टप्पेबाज़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी गई चैन, एक मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। डीसीपी सिटी अली अब्बास ने बताया कि 7 सितंबर को बुजुर्ग ने थाना ताजगंज पर शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह सुबह सब्जी लेने बाजार आए थे, तब एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया।

वाराणसी में खेलेंगे, उन्नाव में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होनी है

मंडल स्तरीय बैडमिंटन के लिए 6 खिलाड़ी चुने

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर के पुलिस लाइन स्थित बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार शाम 3 बजे मंडल स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल हुआ। इसमें 30 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मैच में प्रदर्शन के आधार पर छह खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। बालक वर्ग में शिवम यादव, अमन कुशवाहा, अंश सिंह और रुद्र प्रताप यादव का चयन हुआ है। शिवम यादव मेरठ में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और वाराणसी में सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके हैं। अमन कुशवाहा गोरखपुर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खेल चुके हैं। वहीं, अंश सिंह और रुद्र प्रताप यादव भी

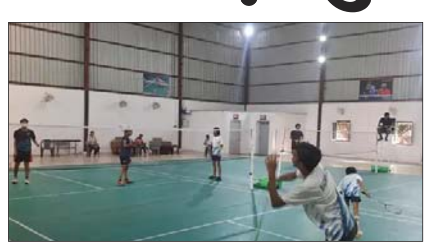

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं। बालिका वर्ग में श्रेया पाल और डेलिशा गुप्ता का चयन हुआ है। श्रेया पाल गोरखपुर, मेरठ और सहारनपुर में आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। वहीं, डेलिशा गुप्ता ने हाल ही में गाजियाबाद में हुई राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था। पिछले साल भी बालक और बालिका वर्ग से छह खिलाड़ियों का मंडल स्तर के लिए चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों ने बाद में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी जगह बनाई थी। इस बार चयन ट्रायल के दौरान बैडमिंटन कोच चंदन यादव, कबड्डी कोच अंजनी वर्मा, कोच राधेश्याम और कुश्ती कोच प्रेमचंद यादव मौजूद रहे।

चयनित खिलाड़ी 14 सितंबर को वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में होने वाली मंडल स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यहां उनके प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया जाएगा। राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 17, 18 और 19 सितंबर को उन्नाव में प्रस्तावित है।

भारत पहुंचकर पत्नी स्नेहा ने जारी किया वीडियो, बोली- सीएम योगी से मिलूंगी

मॉस्को में हिरासत में लिए गए इंजीनियर परिवार संग लौटे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। मॉस्को में हिरासत में लिए गए भारतीय इंजीनियर चंदन गुप्ता अपनी पत्नी स्नेहा और बच्चे के साथ गुरुवार रात कानपुर अपने घर लौट आए। भारत आने के बाद स्नेहा ने एक वीडियो जारी कर पूरे मामले पर सवाल उठाए हैं।

स्नेहा ने सोशल मीडिया पर उनके पति के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पति ने शराब पी और गाड़ी का शीशा तोड़ा था तो इसका वीडियो या फोटो सामने लाया जाए। उन्होंने कहा- अगर किसी के पास मेरे पति के खिलाफ कोई प्रूफ है, कोई वीडियो या फोटो है, जिसमें वह तोड़फोड़ करते या ड्रिंक करते दिख रहे हैं, तो मुझे भेजिए। मेरे पास

ऐसा कोई प्रूफ नहीं है। आप मुझे सबूत देंगे तो मैं उसे भारत में संबंधित अधिकारियों और दूतावास को दूंगी। मैं CM योगी से भी मिलूंगी और सच्चाई बताऊंगी। स्नेहा ने कहा- मॉस्को पुलिस ने उनके पति को 1-2 घंटे नहीं, बल्कि करीब 48 घंटे तक हिरासत में रखा। उन्होंने कहा- मॉस्को पुलिस ने उनके पति के दस्तावेजों की सही तरह से जांच नहीं की। मेरे पति वर्क वीजा पर रूस में थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें टूरिस्ट वीजा पर समझकर पकड़ लिया। मेरे पति को रसियन लैंग्वेज पढ़नी और बोलने नहीं आती है। इसके बाद भी कुछ पेपर पर साइन करा लिए गए।

'मॉस्को में हर 10 कदम पर कैमरे लगे हैं'

स्नेहा ने कहा- मॉस्को जैसे शहर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। ऐसे में अगर उनके पति ने कोई गलत काम किया है तो उसकी रिकॉर्डिंग सामने आनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कमेंट करने वाले लोगों के साथ भारतीय दूतावास से भी सवाल किया। स्नेहा ने कहा कि दूतावास ने उनके और उनके पति से बात किए बिना यह बयान कैसे जारी किया कि उनके पति ने शराब पी और शीशा तोड़ा। उन्होंने कहा- आपके पास सबूत है तो वीडियो जारी करिए। बताइए कि शीशा किसने और कहां तोड़ा।

'राधा अंश' होगा नाम, सहमति लेने जल्द करेंगी मुलाकात, 'हनुमान अंश' से मिली प्रेरणा

संत प्रेमानंद महाराज पर फिल्म बनाएंगी हिमांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । वैष्णव किन्नर अखाड़ा की जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर फिल्म बनाएंगी। फिल्म का नाम 'राधा अंश' होगा। इसकी सहमति लेने के लिए वह जल्द ही संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करेंगी। हिमांगी सखी ने बताया कि बाबा नीम करौरी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' देखकर वह प्रभावित हुईं। इसके बाद उन्होंने यह फैसला किया। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर संत प्रेमानंद महाराज या उनके शिष्य से किसी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई है। दरअसल, हिमांगी सखी बुधवार को धार्मिक यात्रा पर वृंदावन पहुंचीं। यहां बातचीत में

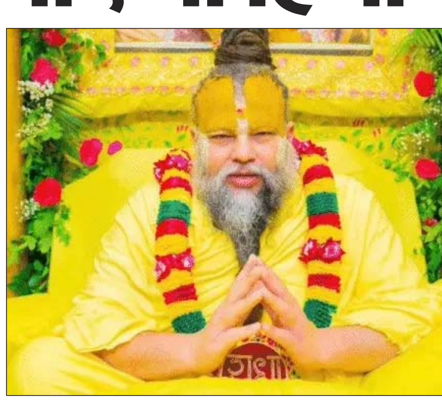

वैष्णव किन्नर अखाड़ा की जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी ने कहा कि हनुमान अंश' फिल्म से प्रभावित होकर अब वह 'राधा अंश' फिल्म बनाएंगी।

उन्होंने कहा-संत प्रेमानंद महाराज राधारानी के अंश के रूप में नजर आते हैं। इसलिए मैं उन पर फिल्म बनाना चाहती हूं। जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी ने बताया- बाबा नीम करौरी महाराज के जीवन पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने

हिमांगी सखी ने कहा-राम मंदिर ट्रस्ट में किन्नर अखाड़े के किसी धर्मगुरु को कोषाध्यक्ष बनाया जाना चाहिए था।

पूरे विश्व को राममय और हनुमानमय बना दिया है। इसलिए मेरे मन में विचार आया कि विश्व को राधा नाम से जोड़ा जाए। इसके लिए राधारानी के अंश के रूप में नजर आने वाले संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर 'राधा अंश' फिल्म बनाई जाए। 'राधा अंश' फिल्म को लेकर मेरी फिल्म मेकर टीम से बात हुई है और उन्होंने सहमति दी है। अब जल्द ही संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करूंगी। उनका परिकर जिसे कास्ट करने के लिए कहेगा, उन्हें फिल्म में रखा जाएगा।

केडीए में भ्रष्टाचार मामले में 3 कर्मचारियों पर एक्शन

एक बर्खास्त, दूसरा निलंबित और तीसरे का डिमोशन, जांच के बाद हुई कार्रवाई लगे हैं'

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर नगर निगम में भ्रष्टाचार के बीच कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) में भी अनियमितताओं के मामलों में बड़ी कार्रवाई हुई है। गुरुवार को तीन अलग-अलग मामलों में केडीए ने तीन कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। चार भूखंडों की फर्जी रजिस्ट्री के मामले में लिपिक प्रदीप कुमार सविता को बर्खास्त कर दिया गया।

वहीं, पूर्व वीसी के पीए रहे लिपिक कश्यप कांत दुबे को विवादित प्रॉपर्टी का दोबारा आवंटन करने के मामले में निलंबित किया गया है। इसके अलावा 12 लाख रुपए की घूस के आरोप में पूर्व में निलंबित अमीन संतोष कुमार का डिमोशन मूल वेतनमान पर किया

गया है। मुखर्जी विहार के चार भूखंडों की फ्री-होल्ड रजिस्ट्री में अनियमितता की शिकायत के बाद केडीए में जांच शुरू हुई थी। मामला भूखंड संख्या 05, 13 एचआईजी, 10 एचआईजी और भूखंड संख्या 11 से जुड़ा है। आरोप था कि गलत जानकारी देने और महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर इन भूखंडों की रजिस्ट्री कराई गई। पहले सहायक अभियंता अमनदीप तिवारी को जांच अधिकारी बनाया गया था। बाद में केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने मामले की दोबारा जांच की। उनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर केडीए वीसी ने लिपिक प्रदीप कुमार सविता को बर्खास्त कर दिया। दूसरी कार्रवाई अमीन संतोष कुमार के खिलाफ हुई। केडीए में मुआवजे के भुगतान से जुड़े मामले में शिकायतकर्ता को 1.38 करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा मिलने के बाद संतोष कुमार ने उससे ब्लैंक चेक लिया और 12 लाख रुपए दूसरे व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कराए। इसके बाद टीडीएस प्रमाणपत्र जारी करने के लिए दोबारा 12 लाख रुपए मांगने का आरोप लगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

'हम 40% हैं, वो ...

हालांकि G7 को कमजोर नहीं माना जा सकता। डॉलर, बैंकिंग, निवेश और तकनीक में उसका प्रभाव अब भी बड़ा है। दूसरी तरफ ब्रिक्स की ताकत बड़ी आबादी, प्राकृतिक संसाधन और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की द्विपक्षीय बैठक शुरू हो गई है। दोनों नेताओं के बीच भारत-ईरान संबंधों और आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम BRICS समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने भारत की BRICS अध्यक्षता की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता शानदार और बेहद सफल रही और इस दौरान काफी काम हुआ।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान BRICS समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत पहुंच गए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि BRICS देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40% GDP और 25% से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में दुनिया की GDP करीब ढाई गुना बढ़ी, जबकि BRICS देशों की GDP साढ़े चार गुना बढ़ी। यानी BRICS की अर्थव्यवस्था बाकी दुनिया से करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। मोदी ने कहा कि BRICS देश अब इनोवेशन और नई टेक्नोलॉजी के बड़े केंद्र बन रहे हैं। भारत में हो रहा यह BRICS बिजनेस फोरम अब तक का सबसे बड़ा फोरम है।

सेना के चोरी हुए ...

जांच के दौरान 20 मद्रास रेजिमेंट की एक यूनिट के सीनियर ऑफिसर से भी पूछताछ की गई थी। इसकी एक वजह यह थी कि आर्मरी के रजिस्टर कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे। वहीं, सिक्युरिटी गार्ड ने किसी तरह की जबरन घुसपैठ से इनकार किया था।

इसीलिए जांच टीम को शुरुआत से ही शक था कि यह मामला 'इनसाइड जॉब' है। यानी कि वारदात में कैंटोनमेंट के अंदर का कोई कर्मचारी शामिल था। जांच में स्थानीय पुलिस, सैन्य खुफिया और केंद्रीय एजेंसियों को शामिल किया गया। शुरू में 10 कर्मियों से पूछताछ की गई, जिसके बाद मुख्य संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया गया।एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और इस तरह चोरी का खुलासा हो गया। आरोपी की शिनाख्त पर हैदराबाद की एक जगह से ये सभी हथियार जब्त कर लिए गए।

महाराष्ट्र में ट्रक-...

हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शाम करीब 7 बजे सीताखंडी घाट के पास हुआ। टाटा मैजिक वैन नांदेड से भोकर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और वैन में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

जम्मू-कश्मीर के ...

जम्मू क्षेत्र में इसकी सुरक्षा मुख्य रूप से BSF संभालती है।

हिरानगर से घुसपैठ कर आतंकी जम्मू के अंदरूनी इलाकों और कश्मीर घाटी तक पहुंचने की फिराक में रहते हैं। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में 3 सितंबर को एक आतंकी मारा गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, यह पाकिस्तानी आतंकी यासिर उर्फ अबु तल्हा है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। यासिर 2024 में पुंछ में एयरफोर्स के काफिले पर फायरिंग में शामिल था। इस हमले में एक जवान शहीद हो गया था।

इस आतंकी की तस्वीर पहली बार पहलगाम हमले के दौरान सामने आई थी। उस समय मिली एक फोटो में चार आतंकी थे। इनमें से दो को पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह मुठभेड़ घाटी में करीब 2 महीने बाद हुई है। पिछला एनकाउंटर 9 जुलाई को शोपियां के चानपोरा में हुआ था। सेना ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए थे, दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के टॉप ऑपरेटिव थे।

सुरक्षाबलों को गुरुवार शाम को आतंकियों के एक संदिग्ध ग्रुप के पुलवामा जिले के पाखेरपोरा से बडगाम के यूसमर्ग की ओर बढ़ने की खबर मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

चिनार कॉर्प्स ने X पर बताया कि पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF ने बडगाम के अशदार गली में जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया।

केदारनाथ पैदल मार्ग ...

उत्तराखंड के सभी जिलों में गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। प्रदेश में बीते एक सप्ताह में सामान्य से 56% कम बारिश हुई है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार- 3 से 10 सितंबर के बीच सामान्य तौर पर 40 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार केवल 17.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

'प्रदेश में पीडीए की...

उनके मुताबिक पीडीए समाज के लोग लगातार पीड़ित, दुखी और अपमानित हो रहे हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि स्थिति यह है कि सरकार के मंत्री को भी धरने पर बैठना पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा के सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सहयोगी दल के मंत्री को धरने पर बैठने के बजाय सरकार को अपनी नाराजगी का एहसास कराना चाहिए। अगर सहयोगी दल का कोई मंत्री सरकार से बाहर जाने की धमकी दे दे तो सरकार उसकी हर बात मान लेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती। इसी वजह से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए आजम खां के खिलाफ मुकदमे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मोहम्मद आजम खां के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे उसी तरह वापस लिए जाएंगे, जिस तरह मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने अपने तथा अपने लोगों के मुकदमे वापस लिए हैं। भाजपा की बैठकों को लेकर भी अखिलेश यादव ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा में विधायकों के टिकट काटने की सूची तैयार करने के लिए बैठकें हो रही हैं। उनके मुताबिक आगामी समय में भाजपा के कई मौजूदा विधायकों के टिकट कटेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के विधायकों के टिकट भी काटे जाने की तैयारी है।

शिक्षा व्यवस्था से ...

कांग्रेस पिछले 11 दिन से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है।

कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि अनुमति निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के आधार पर दी जाएगी।

बोले- दो महीने के ब्रेक से शरीर सुस्त पड़ा, श्रीलंका में रन-अप बिगड़ गया था

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी

वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा

दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे श्रीलंका मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर गेंदबाज हूं। अगर मेरा तालमेल सही नहीं होता, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं निकाल पाता।

श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए।

> **सिराज ने कहा, मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं अपना पाता। छोटा ब्रेक ठीक है, लेकिन 10 साल के करियर में मैंने कभी दो महीने का पूरा ब्रेक नहीं लिया था। उन्होंने कहा, मैं जितने ज्यादा ओवर करता हूं, उतना बेहतर होता जाता हूं। अगर मैं लंबे स्पेल नहीं करूंगा, तो मेरी लय वापस नहीं आएगी।**

41 ओवर के स्पेल से लय वापस आई

सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी ताकत लगानी होती है।

पहली पारी में 25 ओवर, 140 रन दिए

दलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने सिराज के खिलाफ तेजी से रन बनाए। उन्होंने 25 ओवर में 140 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि, सिराज ने कहा कि पहली पारी में विकेट नहीं मिलने से वह ज्यादा चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, भले ही आज मेरे खाते में विकेट नहीं आए, लेकिन यह मेहनत इंटरनेशनल लेवल पर काम आएगी।

सिराज के लिए दलीप ट्रॉफी खेलने का मुख्य लक्ष्य विकेट लेना नहीं, बल्कि अपनी लय हासिल करना था। उन्होंने कहा, इस मैच से पहले मेरा मुख्य लक्ष्य अपना फ्लो हासिल करना था। यह मैच मेरे लिए बहुत फायदेमंद रहा।

उन्होंने आगे कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद शरीर पहले की तरह रिएक्ट नहीं करता। हर चीज थोड़ी धीमी लगती है। इस मैच को पूरा करने से मेरा शरीर फिर चलने लगा और मेरी लय वापस आ गई।

गीत सेठी 65 की उम्र में बिलियड्र्स में लौटेंगे

छह साल बाद इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्यू स्पोर्ट्स दिग्गज गीत सेठी 65 साल की उम्र में बिलियड्र्स में वापसी करने जा रहे हैं। वे अगले महीने 19 से 22 अक्टूबर तक इंग्लैंड के ग्रेट वाइर्ली में वर्ल्ड बिलियड्र्स चैंपियनशिप खेलेंगे। यह छह साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनकी वापसी होगी। अहमदाबाद में रहने वाले सेठी ने 1974 में पहली बार क्यू थामा था। वे 2018 की चैंपियनशिप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंचे थे। सेठी मानते हैं कि उनकी उम्र उनके चेहरे से नजर नहीं आती। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं उम्र का नहीं दिखता, लेकिन महसूस अपनी उम्र का ही करता हूं।

सेठी की वापसी की कहानी इस साल की शुरुआत में शुरू हुई। उनके साथी और पूर्व क्यू खिलाड़ी अशोक शांडिल्य ने उन्हें मुंबई के दादर में हुई क्यू स्पोर्ट्स लीग खेलने के लिए तैयार किया। सेठी ने कहा, मैंने उस टूर्नामेंट में बिना ज्यादा अभ्यास के हिस्सा लिया। लेकिन बहुत मजा आया। घर लौटने के बाद मैंने खुद से कहा, 'शुरू करते हैं। थोड़ा-सा ही खेलता हूं। गीत सेठी भारत के सबसे सफल बिलियड्र्स खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने प्रोफेशनल लेवल पर 5 बार वर्ल्ड बिलियड्र्स चैंपियनशिप जीती। सेठी ने 1992, 1993, 1995, 1998 और 2006 में वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियड्र्स चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराया

दुबई, एजेंसी

भारत 10वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराया। भारत 4 बार वनडे और अब छठी बार टी-20 फॉर्मेट के फाइनल में पहुंचा है। वनडे के चारों फाइनल भारत ने जीते हैं। टी-20 में टीम 2012, 2016 और 2022 में चैंपियन बनी, जबकि 2018 और 2024 में रनर-अप रही थी।

दुबई में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 40 गेंद पर 64 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के लगाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऋचा घोष ने 21 रन बनाए।

150 रन के जवाब में बांग्लादेश की टीम 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी। दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। नंदनी शर्मा को आखिरी ओवर में 2 विकेट मिले।

फाइनल 13 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई में खेला जाएगा। भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में 11 सितंबर को श्रीलंका और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे।

शेफाली वर्मा को 64 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 160 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग की।

रायबकिना से खिताबी मुकाबला, जीती तो सेरेना-क्रिस एवर्ट की बराबरी करेंगी

सबालेंका यूएस ओपन फाइनल में लगातार तीसरे खिताब की तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी

बेलारूस की आर्यना सबालेंका और कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने US ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने गुरुवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराया। वहीं, रायबकिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ ने पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन रायबकिना ने लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह सबालेंका का US ओपन में लगातार चौथा फाइनल है। वह 2023 में भी खिताबी मुकाबले तक पहुंची थीं, लेकिन कोको गॉफ से हार गई थीं। इसके बाद उन्होंने 2024 और 2025 में लगातार खिताब जीते। अब शनिवार को जीत उन्हें न्यूयॉर्क में लगातार तीन खिताब जीतने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बना देगी, जिसने ओपन एरा में यह उपलब्धि हासिल की है।

पहले सेट में एक समय स्कोर 6-5 तक पहुंच गया था। इसके बाद सबालेंका ने लगातार दबाव बनाया और 0-40 की बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 7-5 से जीत लिया।

दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरू से दबदबा बनाए रखा और 3-1 की बढ़त बना ली और दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम किया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, ₹मैं बेहद खुश हूं कि इस स्तर का टेनिस खेल सकी। मैं जीतने के लिए बहुत बेताब थी। मैं इसे बेहद चाहती थी। गॉफ ने शुरुआत में मजबूत खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

> **इस जीत के साथ सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार जीत का सिलसिला 19 मैचों का हो गया। वह 2023 के फाइनल में गॉफ से हारने के बाद से इस टूर्नामेंट में अजेय हैं।**

सेमीफाइनल के बाद सबालेंका और पेगुला एक-दूसरे को गले लगाते हुए।

सबालेंका के पास सेरेना और एवर्ट की बराबरी का मौका

शनिवार को जीत दर्ज करते ही सबालेंका ओपन ऐरा में लगातार तीन US ओपन खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगी। सेरेना विलियम्स ने 2012 से 2014 तक लगातार तीन US ओपन खिताब जीते थे, जबकि क्रिस एवर्ट ने 1975 से 1978 के बीच लगातार चार बार यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

ओपन ऐरा की शुरुआत 1968 में हुई थी। इसके बाद पहली बार प्रोफेशनल खिलाड़ियों को ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति मिली थी।

मनोरंजन

सनग्लासेस और फेस मास्क में दिखे एक्टर सिक्योरिटी और पुलिसकर्मी से मिलाया हाथ

रणवीर सिंह ने चेहरा छिपाकर एयरपोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। रणवीर सिंह शुक्रवार सुबह एयरपोर्ट पहुंचे। उनकी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के लिए अपनाया गया नया रफ लुक चर्चा में रहा। एक्टर ने ढीली टी-शर्ट, बैगी पैंट, बीनी, स्टेटमेंट सनग्लासेस और फेस मास्क से अपना लुक काफी हद तक छिपा रखा था। कार से उतरते ही पैपराजी ने उनकी तस्वीरें लेना शुरू कर दिया। अंदर जाने से पहले रणवीर ने सिक्योरिटी स्टाफ का अभिवादन किया और वहां मौजूद गाड्र्स से हाथ मिलाया। उन्होंने एंट्री पर तैनात पुलिसकर्मी से भी हाथ मिलाया।

इसके बाद रणवीर पैपराजी के पास रुके। पैपराजी के 'प्रलय' के नारे लगाने पर उन्होंने भी उत्साह के साथ प्रतिक्रिया दी। 'प्रलय' के सेट से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में रणवीर सिंह लंबे बालों वाले लुक में दिखाई दे रहे थे। उनकी पीठ पर एक बच्चा नजर आया था। हालांकि, फिल्म में उनके किरदार और बच्चे के बीच संबंध को लेकर मेकर्स की ओर से अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई थी।

फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में बाद में खुलासा होता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है।

फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में बाद में खुलासा होता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है।

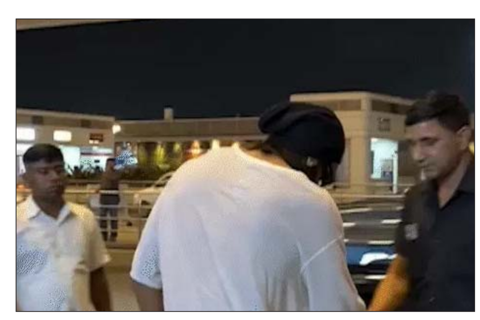

> **'प्रलय' की शूटिंग मुंबई में अगस्त से शुरू हो चुकी है। फिल्म को सर्वाइवल और पोस्ट-एपोकैलिप्टिक थ्रिलर बताया गया है, जबकि हालिया रिपोर्टों में इसे जॉम्बी एक्शन थ्रिलर भी कहा गया है। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं।**

'प्रलय' के सेट से रणवीर का पहला लुक सामने आया था

बता दें कि हाल ही में मुंबई में चल रही शूटिंग से फिल्म प्रलय से रणवीर का पहला लुक सामने आया था। लंबे बालों में नजर आ रहे रणवीर की पीठ पर एक बच्चा भी दिखाई दे रहा था। फिल्म में रणवीर के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। सामने आए वीडियो में रणवीर सिंह के साथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आ रही थीं।

रणवीर सिंह की निजी जिंदगी भी इन दिनों चर्चा में है। रणवीर और दीपिका पादुकोण दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। वहीं, मंगलवार को कपल ने फैमिली फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं।

बिपाशा बसु की प्रोटीन ड्रिंक में दिखे कीड़े तुकाराम मुंढे से मांगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस बिपाशा बसु को प्रोटीन पाउडर के नए खुले जार में छोटे-छोटे कीड़े मिले हैं। उन्होंने इसका वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। बिपाशा ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को टैग किया और मामले में दखल देने की अपील की।

बिपाशा ने लिखा ड्रिंक के वीडियो के साथ लिखा है, 'तुकाराम मुंढे आप ही हमारी एकमात्र उम्मीद हैं। ताकि हम जो भी चीजें खरीदें, उनमें खराब या मिलावटी सामान न मिले।' वीडियो में बिपाशा ने अपनी उंगली पर एक छोटा सा कीड़ा दिखाया। उन्होंने कहा, 'इस आइसोप्योर में छोटे-छोटे कीड़े भरे हुए हैं। बहुत ही छोटे कीड़े। यह नया डिब्बा है, जिसे हमने अभी खोला है।' इसके बाद उन्होंने उंगली पर कीड़ा दिखाते हुए कहा, 'ये रहे कीड़े, इसमें ऐसे ही कीड़े भरे हुए हैं।' महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी को लेकर लोगों का ध्यान बढ़ रहा है। तुकाराम मुंढे राज्यभर में फूड बिजनेस के खिलाफ कई तरह की जांच और कार्रवाई कर रहे हैं।

श्वेता तिवारी ने हाल ही में ऑनलाइन एनर्जी ड्रिंक ऑर्डर की थी। जब ऑर्डर खोला गया, तो उसमें कॉकरोच मिलने से एक्ट्रेस घबरा गईं। एक्ट्रेस ने वीडियो जारी कर महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी कार्रवाई से चर्चा में बने हुए FDA ऑफिसर तुकाराम मुंढे से सवाल किया है। ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी ने कहा, 'हमने इंस्टामार्ट से रेडबुल मंगवाया। लेकिन इंस्टामार्ट से हमारे घर में ये (कॉकरोच) भी आया। कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है।'

2 महीने पहले हुई थी गिरफ्तारी, 16 साल की लड़की से छेड़छाड़-मारपीट का आरोप, चार्जशीट में धर्म-पेशा गलत

पॉक्सो केस में रोहित चंदेल जेल से रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी

'पांड्या स्टोर' और सैराब जैसे पॉपुलर शोज फेम एक्टर रोहित चंदेल को POCSO केस में जमानत मिल गई है। उन पर 16 साल की लड़की का पीछा करने, बार-बार फोन करने, परेशान करने और मारपीट करने का आरोप है। मुंबई पुलिस ने उन्हें जुलाई में गिरफ्तार किया था।

रोहित चंदेल पर प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट यानी POCSO के तहत केस दर्ज है। वह करीब दो महीने से जेल में थे।

एक्टर रोहित चंदेल को पांड्या स्टोरी और सैराब जैसे पॉपुलर टीवी शोज के लिए जाना जाता है।

एक्टर के वकील ने कहा था कि सरकारी कागजात में हुई गलतियों का केस पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। हालांकि, 22 जुलाई को रोहित चंदेल की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद 16 साल की शिकायतकर्ता ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। रोहित के खिलाफ 10 जुलाई को पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज) के तहत शिकायत दर्ज हुई थी।

10 जुलाई को ही उन्हें दहिसर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल एक्टर कस्टडी में हैं।

शुक्रवार को मुंबई के पूर्वी उपनगर की रहने वाली नाबालिग की शिकायत मिलने पर पंत नगर पुलिस स्टेशन ने एक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 (पीछा करना) और 115(2) (चोट पहुंचाने का इरादा) भी लगाई हैं।

एक्टर पर आरोप हैं कि वह नाबालिग लड़की को अपने नंबर से कॉल कर बार-बार परेशान कर रहे थे। नाबालिग ने उनका फोन उठाना बंद किया, तो एक्टर दूसरे नंबर से बार-बार कॉल कर परेशान करने लगे।

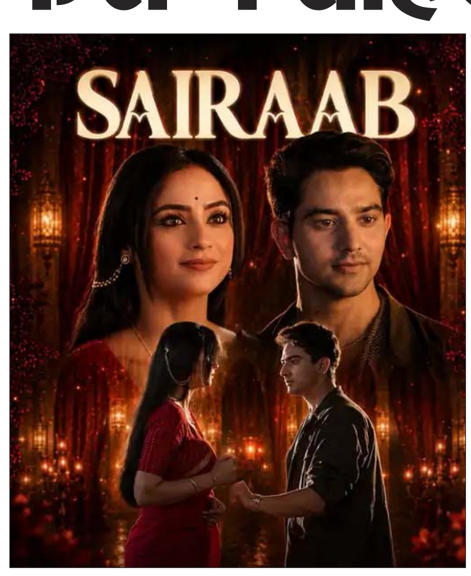

चार्जशीट में पेशे और धर्म की जानकारी गलत

रोहित चंदेल को पहले जमानत मिलने में मुश्किल हुई थी। केस के कागजात में कुछ गड़बड़ियां सामने आई थीं। खबरों के मुताबिक, दस्तावेजों में उनके पेशे को एक्टर की जगह गलत तरीके से बिजनेसमैन बताया गया था। चार्जशीट में उनका धर्म भी गलत दर्ज किया गया था। उनके मेडिकल रिकॉर्ड में भी गलती थी। उसमें उनकी वैवाहिक स्थिति मैरिड लिखी गई थी, जबकि रोहित चंदेल ने खुद को अविवाहित बताया है।

विस्फोट के बाद 4.1 तीव्रता का भूकंप आया ■ नेतन्याहू बोले- मिशन पूरा, हैप्पी न्यू ईयर

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 केएम लंबी सुरंग उड़ाई

तबाही

बेरूत, एजेंसी

इजराइली सेना के मुताबिक, सुरंग में ईरान में बने कई रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन रखे थे। यहां मशीनगन, एंटी-टैंक मिसाइल और सैकड़ों बारूदी सुरंगें व विस्फोटक भी मिले। सेना ने बताया कि इस परिसर में हिजबुल्लाह की 'बद्र' यूनिट का कमांड सेंटर भी था।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सुरंग को ब्लास्ट कर तबाह कर दिया। ब्लास्ट के लिए करीब 1100 टन विस्फोटक इस्तेमाल किया गया था।

यह विस्फोट इतना तेज था कि इलाके में 4.1 तीव्रता वाले भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए।

लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, धमाके से आसपास के इलाकों में जमीन हिलने लगी। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, 'मिशन पूरा हुआ। हैप्पी न्यू ईयर।'

हिजबुल्लाह की 'बद्र' यूनिट दक्षिणी लेबनान में संगठन की सबसे अहम सैन्य इकाइयों में से एक है। यह लिटानी नदी के उत्तर के इलाके में सक्रिय है।

यूनिट का नाम 624 ईस्वी की बद्र की लड़ाई से लिया गया है। यह पैगंबर मुहम्मद के नेतृत्व वाली सेना और मक्का के कुरैश के बीच हुई थी। इजराइल ने पिछले कुछ दिनों में दक्षिणी लेबनान में फिर से हमले तेज किए हैं। जून में ईरान और अमेरिका की बातचीत के बाद इजराइल-लेबनान में समझौता हुआ था। इस समझौते के बाद कुछ समय के लिए हमले रुक गए थे।

इस टनल नेटवर्क को बनाने में 20 साल लगे थे

नेतन्याहू के मुताबिक इस टनल नेटवर्क को बनाने में लगभग 20 साल लगे थे। इसके लिए ईरान ने फंडिंग की थी। इजराइली रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने इसे आतंकी नेटवर्क बताया।

इजराइल का कहना है कि इस इलाके जमीन के ऊपर और नीचे दोनों जगह उसका कंट्रोल हो गया है। पिछले हफ्ते इजराइल ने दावा किया था कि उसने इलाके पर कब्जा कर लिया है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक हिजबुल्लाह के कई लड़ाकों को हवाई हमलों में मार गिराया गया था, जबकि कुछ भाग निकले थे।

टनल में घुसे थे आईडीएफ सैनिक, तलाशी का फुटेज जारी किया

इजराइली सेना (IDF) ने अली अल-ताहेर पहाड़ी के नीचे बने हिजबुल्लाह के टनल नेटवर्क का फुटेज जारी किया है। वीडियो में सैनिक सुरंगों के अंदर तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। IDF के मुताबिक, जून में सीजफायर के बाद से यहां करीब 50 हिजबुल्लाह लड़ाके छिपे हुए थे।

AFP के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने प्रस्ताव दिया था कि अली अल-ताहेर पहाड़ी का कंट्रोल लेबनान की सेना को दिया जाए। हालांकि हिजबुल्लाह ने इसे नकार दिया था।

■ फुटेज में इजराइली सैनिक टनल के भीतर तलाशी करते नजर आ रहे हैं।

लेबनान के अधिकारियों के मुताबिक, मार्च से अब तक इजराइली हमलों में 4300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान के एक हिस्से में बनाए गए सिक्योरिटी जोन में अभी भी मौजूद है।

गणेश उत्सव पर पुणे में 10 दिन शराबबंदी पर हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

गणेश उत्सव के दौरान पुणे में 10 दिन तक शराब की बिक्री पर रोक लगाने के फैसले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पुणे प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सवाल किया कि पूरे महाराष्ट्र में सिर्फ पुणे को ही शराबबंदी के लिए क्यों चुना गया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का व्यापक प्रतिबंध मनमाना है और इससे पुणे के लोगों पर गलत छवि बनती है। अदालत ने प्रशासन से आदेश वापस लेने को कहा, वरना उचित न्यायिक आदेश पारित करने की चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश एमसी त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ होटल मालिकों और वाइन शॉप मालिकों के संगठनों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में पुणे कलेक्टर के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत 14 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान शराब की बिक्री पर रोक लगाई गई है। अदालत ने पूछा कि जब मुंबई और महाराष्ट्र के दूसरे इलाकों में ऐसी रोक नहीं लगाई गई, तो सिर्फ पुणे को क्यों चुना गया। अदालत ने कहा कि केवल एक जिले में इस तरह का प्रतिबंध लगाना पुणे के निवासियों के लिए एक तरह का कलंक है। पीठ ने सवाल किया कि क्या प्रशासन यह दिखाना चाहता है कि शराब पीने के बाद केवल पुणे के लोग ही गलत व्यवहार करते हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, लेकिन इसके लिए पूरे जिले में शराब की बिक्री पर 10 दिन की रोक लगाना उचित नहीं हो सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रशासन को गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक जगहों पर परेशानी रोकने के लिए समझ में आती है।

फास्ट न्यूज

चांदी आज 3,742 गिरकर 2.30 लाख/केजी पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 11 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक एक किलो चांदी की कीमत 3,742 रुपए कम होकर करीब 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 269 रुपए घटकर 1.53 लाख रुपए पर आ गए हैं।

दक्षिण कोरियाई मरीन के डूबने से जुड़े मामले में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल बरी

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को एक मरीन की डूबने से हुई मौत से जुड़े मामले में शुक्रवार को बरी कर दिया गया। मार्शल लॉ लगाने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। यह मामला उनमें से एक था, जिसमें उन्हें राहत मिली है। आरोपपत्र में कहा गया था कि यून ने जानबूझकर पूर्व रक्षा मंत्री ली जोंग-सप को ऑस्ट्रेलिया में अपना राजदूत नियुक्त किया था, ताकि वे देश छोड़कर जा सकें और कार्यालय चे सु-गुन की मौत की आपराधिक जांच से बच सकें।

म्यांमार में इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 6 'सुसाइड ड्रोन' से हमला

नेप्योंडॉ। म्यांमार के दूसरे सबसे व्यस्त मंडाले इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दो दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। सुरक्षा सूत्रों ने एएफपी को इसकी पुष्टि की है। यह फैसला एयरपोर्ट पर हुए उस ड्रोन हमले के ठीक एक दिन बाद आया है, जिसमें सैन्य समर्थित सरकार ने लोकतंत्र समर्थक विद्रोहियों पर 'सुसाइड ड्रोन' से हमला करने का आरोप लगाया था।

कोट उतारा और उठा लिया 100 किलो वजन

आर्मी जवानों के सामने 20 बार बेंच प्रेस मंगोलिया के राष्ट्रपति का वीडियो वायरल

उलानबाटर, एजेंसी

मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागीन खुरेलसुख का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक मिलिट्री यूनिट के दौरे के दौरान 100 किलो का बेंच प्रेस करते हुए दिख रहे हैं।

मंगोलिया के राष्ट्रपति खुद आर्मी ऑफिसर रह चुके हैं। उन्होंने सैनिकों के सामने 20 बार 100 किलो वजन उठाया। राजनीति में आने से पहले उन्होंने मंगोलियन पीपल्स आर्मी में सेवा की थी।

मंगोलिया के राष्ट्रपति 58 साल के हैं और वे इस उम्र में भी काफी फिट दिख रहे हैं। राष्ट्रपति के मिलिट्री यूनिट के दौरे पर गए थे, तब उन्होंने सैनिकों के सामने 100 किलो वजन उठाकर दिखाया।

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मंगोलिया के राष्ट्रपति अपना कोट उतारते हैं और बेंच पर वेट लिफ्ट करने के लिए लेट जाते हैं। अधिकारी और सैनिक राष्ट्रपति की फिटनेस देखकर खुश नजर आते हैं।

वीडियो में राष्ट्रपति को आसानी से वजन उठाते हुए देखा जा सकता है। 2021 से राष्ट्रपति पद पर काबिज उखनागीन खुरेलसुख ने वजन उठाने के बाद अपने आस-पास मौजूद लोगों से हाथ मिलाया और फिर अपनी जैकेट वापस पहन ली। राष्ट्रपति का बैकग्राउंड बॉडीबिल्डिंग और मार्शल आर्ट्स का रहा है और राजनीति में आने से पहले उन्होंने मंगोलियन पीपल्स आर्मी में सेवा की थी। वे 'पल्स' (Pals) नाम के रॉक बैंड में गिटार भी बजाते हैं और मंगोलिया में हार्ले-डेविडसन फैन क्लब के संस्थापक भी हैं।

मुकेश चौधरी ने जानबूझकर झूठी अमेरिकी नागरिकता का दावा किया

अमेरिकी चुनाव में फर्जी नागरिकता दिखाकर भारतीय ने डाला वोट

मुकेश कुमार सोमाभाई चौधरी पर पांच नवंबर 2024 को हुए आम चुनाव में वोट डालने के लिए जानबूझकर अमेरिकी नागरिकता का झूठा दावा करने का आरोप लगाया गया है।

■ मिनेसोटा की फेडरल ग्रैंड जूरी ने दो आरोपों वाला पत्र जारी किया

न्यूयार्क, एजेंसी

अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए वहां का नागरिक होने का झूठा दावा करने के आरोप में एक भारतीय नागरिक पर केस दर्ज किया गया है।

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार विभाग की असिस्टेंट अटार्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों ने कहा, वोट देने का अधिकार अमेरिकी नागरिकता का एक विशेषाधिकार है। विभाग उन लोगों को जवाबदेह ठहराएगा जो वोट डालने के लिए जानबूझकर नागरिकता का झूठा दावा करते हैं।'

मिनेसोटा की फेडरल ग्रैंड जूरी ने लगाया आरोप

अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि मिनेसोटा की एक फेडरल ग्रैंड जूरी ने गुरुवार को दो आरोपों वाला यह आरोप-पत्र जारी किया। इसके अनुसार, चौधरी ने आम चुनाव में वोट डालने के लिए मिनेसोटा के कानून के तहत जरूरी वोटर रजिस्टर सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर किए।

इसके लिए उन्हें शपथ लेनी थी या पुष्टि करनी थी कि वे अमेरिका के नागरिक हैं। चौधरी अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उन्होंने वोट डालने के लिए जानबूझकर नागरिकता के बारे में झूठा बयान दिया।

यह बाब अल-मंदेब से सिर्फ 75 केएम दूर ■ पाकिस्तान ने ईरान को चेतावनी दी

हूती विद्रोहियों ने यमन के मोखा शहर पर कब्जा किया

सना, एजेंसी

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। यह शहर बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से करीब 75 किलोमीटर दूर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार रास्ते में से एक है। मोखा पर पहले यमनी नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स का कंट्रोल था। यह हूतियों के खिलाफ लड़ने वाला सऊदी समर्थित गुट है। दोनों के बीच पिछले 9 दिनों से लड़ाई चल रही थी। मोखा पर कब्जे के बाद पिछले 4 साल में यह हूतियों की सबसे बड़ी क्षेत्रीय कामयाबी मानी जा रही है। अब हूती लड़ाके यमन के अहम शहर ताइज की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब ने पाकिस्तान के जरिए ईरान को संदेश भेजकर हूतियों को सऊदी अरब पर हमले रोकने के लिए कहने को कहा है।

■ मोखा शहर पर कब्जे के बाद हूती लड़ाके ताइज शहर की ओर बढ़ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

बाब अल-मंदेब के करीब पहुंचे हूती, जहाजों पर बढ़ा खतरा

मोखा पर कब्जे के बाद हूती बाब अल-मंदेब के और करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने लाल सागर में मौजूद हनीश द्वीपों की ओर भी बढ़त बनाई है। धुबाब और उसके सामने मौजूद ये द्वीप बाब अल-मंदेब के बहुत करीब हैं।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हूती इस इलाके में अपनी पकड़ और मजबूत करते हैं, तो लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर नजर रखना और उन पर दबाव बनाना उनके लिए आसान हो सकता है।

■ खालिद बिन वालिद सैन्य कैंप में सऊदी समर्थित बलों का हूतियों के सामने सामूहिक सरेंडर करते हुए। (वीडियो-सोशल मीडिया)

मोखा पर कब्जे से हूतियों की पकड़ मजबूत

पिछले करीब 10 दिनों से हूती लड़ाके ताइज की पश्चिमी दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने रास्ते में पड़ने वाले अल-शकीरा इलाके पर भी कब्जा कर लिया।

यह इलाका ताइज शहर को पश्चिमी तट से जोड़ने वाले अहम रास्ते पर है। इस पर कब्जे से इस इलाके में हूतियों की पकड़ और भी मजबूत हो गई। हूती पहले से ही यमन की राजधानी सना और लाल सागर के बड़े बंदरगाह होदेइदा पर नियंत्रण रखते हैं। अब मोखा पर कब्जे के बाद पश्चिमी तट पर भी उनकी स्थिति मजबूत हो गई है। यही वजह है कि मोखा की लड़ाई को सिर्फ एक बंदरगाह शहर पर कब्जे के तौर पर नहीं देखा जा रहा। इससे यमन के पश्चिमी तट पर हूतियों की सैन्य और रणनीतिक स्थिति और मजबूत हो सकती है।

हूतियों से बचने के लिए गुहार लगाते रहे सऊदी प्रिंस

ट्रंप ने नहीं उठाया फोन लड़ाकू विमान भेजने से इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और पश्चिम एशिया की राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के फोन कॉल को दो बार अस्वीकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार सऊदी प्रिंस चाहते थे कि अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे हवाई हमले करे, लेकिन ट्रंप ने फिलहाल ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। बता दें कि यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही वे हनिश द्वीपों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक 'बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य' पर एक बड़ा खतरा मंडराने लगा है।

वहीं मोखा शहर उस जलडमरूमध्य से केवल 80 किलोमीटर की दूरी पर है, जिससे होकर दुनिया भर का लगभग 12 प्रतिशत व्यापार और सामान गुजरता है। हूती लड़ाकों के आगे बढ़ने से सऊदी समर्थित यमन सरकार की फौज पीछे हटने को मजबूर हो गई है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यमन के मोखा शहर में जब हूती सेना तेजी से आगे बढ़ रही थी और सऊदी समर्थित यमन की सेना पीछे हट रही थी, तब हालात की गंभीरता को देखते हुए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया।

प्रशंसा : जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर 7.8% रही, ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत : आईएमएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है। साथ ही भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन भी बताया है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऊर्जा संकट और वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी तेज रफ्तार बरकरार रखी है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की रियल जीडीपी 7.8% दर्ज की गई है। IMF ने भारत के इस बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए, कहा कि मजबूत सर्विसेज सेक्टर और बेहतर एक्सपोर्ट के दम पर यह ग्रोथ उम्मीद से काफी बेहतर रही है।

आईएमएफ ने भारत के जीडीपी आकलन की व्यवस्था में किए गए बदलावों और इसके आधुनिकीकरण का स्वागत किया है। जूली कोजाक ने बताया कि नवीनतम डेटा में नया इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) और प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI) सीरीज शामिल की गई है। आईएमएफ के अनुसार, इन नए बदलावों से जीडीपी आंकड़ों की सटीकता और डेटा की क्वालिटी में और सुधार होगा। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP): यह इंडेक्स देश के मैन्युफैक्चरिंग, माइनिंग और बिजली जैसे

आईएमएफ ने की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ

आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजाक ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की 7.8% की जीडीपी ग्रोथ उनके अनुमान और मार्केट एक्सपर्ट्स की उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सर्विसेज और एक्सपोर्ट में बेहतर प्रदर्शन ने इस ग्रोथ को रफ्तार दी है। जूली कोजाक के मुताबिक, यह प्रदर्शन दिखाता है कि एनर्जी प्राइस शॉक के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह मजबूत है और भारत दुनिया के लिए एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बना हुआ है।

आरबीआई के अनुमान से ज्यादा रही विकास दर

पहली तिमाही का यह 7.8% का आंकड़ा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के 7% के पिछले अनुमान से भी ज्यादा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के आंकड़ों के अनुसार, इस तिमाही में देश की रियल जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष (FY26) की इसी अवधि में 75.46 लाख करोड़ रुपए थी।

मुख्य क्षेत्रों में उत्पादन की रफ्तार को मापता है। प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI): यह इंडेक्स घरेलू उत्पादकों द्वारा बेचे जाने वाले सामान और सेवाओं की कीमतों में होने वाले औसत बदलाव को दर्शाता है, जिससे थोक स्तर पर महंगाई का सटीक आकलन होता है।

हूतियों ने मिसाइल और घातक रॉकेट बनाने के लिए किया 'क्लाउड एआई' का इस्तेमाल

सना, एजेंसी

AI कंपनी एंथ्रोपिक ने यमन में मौजूद हथियारों की इंजीनियरिंग करने वाले एक ग्रुप की पहचान की है, जो कि मिसाइलों और गाइडेड रॉकेट के लिए गाइडेड सॉफ्टवेयर बनाने के लिए उसके 'क्लाउड' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल का इस्तेमाल कर रहा है।

एंथ्रोपिक ने गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उसने चीन, रूस और यमन में ऐसे छह ऑपरेशन रोके हैं, जिनमें लोगों ने पारंपरिक हथियार बनाने, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने या हथियारों की खरीद के लिए 'क्लाउड' का इस्तेमाल किया था। एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में शामिल ग्रुप हूती कई मिसाइल प्रोग्राम पर काम कर रहा था, जिसमें 2,000 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली मल्टी-स्टेज बैलिस्टिक मिसाइल और R2000 सेट नाम का मिसाइल सिस्टम शामिल था। इस सिस्टम में हाइपर-सोनिक ग्लाइड व्हीकल का एक वैरिएंट भी था। एंथ्रोपिक को यह भी पता चला कि इन लोगों ने उड़ने वाले वाहनों के लिए गाइडेंस, नेविगेशन और कंट्रोल सॉफ्टवेयर बनाने के लिए इंसानी सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह 'क्लाउड कोड' का इस्तेमाल किया। हालांकि कंपनी को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ग्रुप ने कोई ऑपरेशनल हथियार सफलतापूर्वक तैयार किया हो, लेकिन उसने कहा कि इन लोगों ने एक गाइडेड रॉकेट का टेस्ट लॉन्च किया था, जो फेल हो गया। एंथ्रोपिक के मुताबिक, यमन के ग्रुप ने एक ओपन-सोर्स ऑटोपायलट को फोन-क्लास फ्लाइट कंप्यूटर के साथ जोड़ने और उड़ने वाले वाहन को कंट्रोल और स्टेबल करने के लिए जरूरी सॉफ्टवेयर बनाने के लिए 'क्लाउड' का इस्तेमाल किया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96